RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूंज

Email-mahikigunj@gmail.com

वर्ष-02, अंक - 25 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 26 मार्च 2020 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

आपका घर पर रहना: कोरोना वायरस के डर के बीच उम्मीद की किरण

गूंज अपील

माही की गूंज, झाबुआ।

पूरे देश ने सारे मतभेद भुलाकर कोरोना के कालचक्र को रोकने और तोड़ने के उद्देश्य से जनता कर्फ्यू और फिर लॉक डाउन का समर्थन कर उसे सफल बनाया। साथ ही ताली, थाली और शंख बजाकर विविध प्रकार के हर्षनाद के रूप में उन डॉक्टरों और नर्सों से लेकर साफ-सफाईकर्मियों और विविध अनिवार्य सेवाओं में लगे अनाम लोगों तक के प्रति सामूहिक आभार व्यक्त किया, जो इस अभूतपूर्व आपातकाल में जनता के स्वास्थ्य और जीवन की रक्षा के लिए खुद को जोखिम में डालकर भी मनुष्यता की निरंतर सेवा कर रहे हैं। इस वैश्विक महामारी से उपजी आपात स्थिति इतनी भयावह है कि देवस्थानों तक पर ताले डालने पड़ रहे हैं। कहना गलत न होगा कि मनुष्यों की रक्षा-सुरक्षा में इस वक्त जो भी लोग लगे हैं, वे आज के जीवित देवता है। देश ने उनके प्रति आभार जताया, लेकिन शायद कोरोना वायरस रूपी काल के क्रूर रथ के पहियों को तोड़ने के लिए केवल इतना काफी न हो। एक दिन का जनता कर्फ्यू इस दिशा में किया गया एक प्रयोग था कि सब अपने घरों में रहें, बाहर न निकलें, तो विषाणु के संक्रमण को रोका और तोड़ा जा सकता है। पर हमें यह भी समझ लेना होगा कि एक दिन के जनता कर्फ्यू और तीन दिन के लॉक डाउन से बना एकांतवास भी शायद काफी न हो। अतः जिस दृढ़ता से हमने कुछ दिनों के गुफावास का निर्वाह किया है, उसी दृढ़ता से 21 दिनों तक आगे की लड़ाई जीतने तक लड़ते रहना होगा। सावधानी हटने न दें, दुर्घटना घटने न दें। क्योंकि आपका घर में रहना ही कोरोना वायरस के डर के बीच उम्मीद की किरण है।

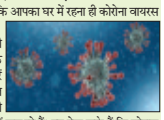

संतोष का विषय है कि संकट की इस घड़ी में आम जनता को जागरूक और सतर्क करने के लिए सरकारें और स्वैच्छिक संगठन ही नहीं, बहुत से समझदार और सजग लोग भी अपने-अपने ढंग से इस अभियान में जुड़ रहे हैं। हम देख चुके हैं कि सोशल मीडिया के अनेक मंच किस तरह से समाज में भ्रम और उन्माद फैला सकते है। आज वक्त है कि इन मंचों के सकारात्मक उपयोग का उदाहरण पेश किया जाए। इसी तरह के सकारात्मक प्रयास के रूप में माही की गूंज अपने पाठकों से यह अपील करता है कि अफवाहों और दुष्प्रचार से बचें और इस समय वांछित आचार संहिता का दृढ़ता से पालन करें। कोरोना वायरस का आक्रमण हमारे देश में भी चिंता का विषय बन गया है। केंद्रीय सरकार और राज्य सरकारें इस चुनौती से लड़ने की भरपूर कोशिश कर रही हैं, लेकिन साधारण जन के सजग हुए बिना स्थिति पर नियंत्रण पाना कठिन है। सरकारों ने यह विश्वास भी जताया गया है कि आप सावधान रहें और घर पर रहें। अनिवार्य होने पर घर के बाहर जाने की दशा में सुरक्षा-सुझावों के पालन को प्राथमिकता देना अपनी आदत में शामिल करें। साथ ही निवेदन है कि इस अप्रत्याशित आपदा के संबंध में किसी भी अप्रमाणिक सूचना पर ध्यान न दें। केवल विश्व स्वास्थ्य संगठन और भारत सरकार व राज्य सरकार द्वारा जारी सूचनाओं को विश्वास योग्य मानें। किसी भी रूप में भयभीत न हों, आत्मबल बनाए रखें, संभव हो तो घर भीतर ही योगासन करते रहें तथा जितना हो सके, अपने को अध्ययन, सृजन अथवा किसी अभिरूचि में व्यस्त रखें। तो आइए, संकल्प ले कि अपने राष्ट्र और विश्व को इस आपदा से मुक्त करने में अपनी भूमिका निभाएंगे। लॉक डाउन में घर में रहकर ही इस कोरोना वायरस को हराएंगे।

मध्यप्रदेश में कोरोना मामले की संख्या बढ़कर हुई 14, कई शहरों में लगा कर्फ्यू

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश में कोरोना वायरस (कोविड-19) का कहर बढ़ता ही जा रहा है। जबलपुर से शुरू हुआ राजधानी भोपाल, ग्वालियर अंचल से होते हुए मिनी मुंबई और राज?य की आर्थि?क राजधानी इंदौर तक फैल चुका है। यहां तक कि महाकाल की नगरी उज्जैयनी को भी नहीं छोड़ा और मरीजों की संख?या 14 तक हो चुकी है। प्रशासन ने एतिहातन सूबे के जबलपुर, भोपाल, ग्वालियर, शिवपुरी के बाद उज्जैन और इंदौर में कर्फ्यू लगा दिया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान स्वयं पूरी स्थिति पर नजर रख रहे हैं।

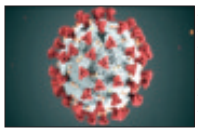

दरअसल, मध्य प्रदेश की औद्योगिक राजधानी इंदौर में कोरोना वायरस के पांच और मरीज मिले हैं। बुधवार की सुबह इसकी पुष्टि हुई है। इसी के साथ अब प्रदेश में कोरोना से संक्रमित मरीजों की संख्या 14 हो गई है। संभागायुक्त-कलेक्टर सहित स्वास्थ्य विभाग का अमला सबसे पहले हॉस्पिटल पहुंचा और डाक्टरों से मरीजों की जानकारी हासिल की। सुबह संभागायुक्त आकाश त्रिपाठी और कलेक्टर लोकेश जाटव ने इन पांचों कोरोना मरीजों की अधिकृत पुष्टि की।

कलेक्टर इंदौर लोकेश कुमार जाटव ने कहा है कि इस बात को लेकर पैनिक की आवश्यकता नहीं है। सभी मरीजों की हालत स्थिर है और वे चिकित्सीय निगरानी में हैं। सभी का बेहतर इलाज हो रहा है और अन्यत्र संक्रमण नहीं हो, इसके पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

जिन पांच मरीजों में कोरोना वायरस पॉजिटिव पाया गया है, उनमें स्नेह नगर निवासी अग्रवाल परिवार के दो युवक हैं। एक मरीज चंदन नगर और दूसरा रानीपुरा का बताया गया है। तीन युवक बॉम्बे हास्पिटल, एक अरिहंत हास्पिटल में और चौथे मरीज को एमवाय अस्पताल में भर्ती किया गया है। बॉम्बे अस्पताल में भर्ती तीन लोग ऋषिकेश से लौटे हैं। इनमें से किसी की फॉरेन हिस्ट्री नहीं है। फिर भी विभाग पता कर रहा है कि ये किसके संपर्क में आए हैं। उल्लेखनीय है कि पूरे देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राष्ट्र के संबोधन के बाद से लॉकडाउन कर दिया गया है। लॉकडाउन के चलते यहां मध्य प्रदेश में इस समय कर्फ्यू जैसी स्थिति है। प्रशासन लगातार अनुरोध कर रहा है कि यदि कोई भी स्वास्थ्य या अन्य समस्या है तो कॉल सेंटर के माध्यम से संपर्क करें।

पहला मेड इन इंडिया कोविड-19 टेस्टिंग किट तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना वायरस की जांच के लिए पहला मेड इन इंडिया टेस्टिंग किट बनकर तैयार हो गया है। पुणे की माई लेब डिस्कवरी सलुयूशन प्राइवेट लिमिटेड ने पहला देशी कोविड-19 टेस्टिंग किट डेवलप किया है। इस किट को इंडियन कांउसिल आफ मेडिकल रिसर्च ने अप्रूव कर दिया है। कंपनी के मुताबिक एक सिंगल किट की कीमत 80 हजार रुपये होगी और इससे 100 मरीजों की जांच की जा सकेगी।

कंपनी ने बताया कि आयातित किए जा रहे किट की कीमत इससे करीब चार गुना ज्यादा है। यह कंपनी सप्ताह में डेढ़ लाख किट तक बना सकती है और अभी प्रोडक्शन कैपेसिटी बढ़ाने की कोशिश भी की जा रही है।

कंपनी के साइंटिस्ट रंजित देसाई ने इस नई खोज के बारे में जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि फ्लिहाल हम एक से डेढ़ लाख किट्स का उत्पादन कर सकते हैं। इसे लगातार बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस किट की कीमत बाजार में मिल रहे किट्स के मुकाबले चार गुना कम है। एक टेस्टिंग किट से 100 लोगों की जांच कर सकते हैं। इसके बाजार में आने से एक प्राइवेट लैब में दिन में कोरोना के एक हजार टेस्ट किए जा सकेंगे। अभी एक लैब में औसतन दिनभर में 100 नमूनों की कोरोना जांच हो पाती है। इसे विश्व स्वास्थ्य संगठन और अमेरिका के सीडीसी के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए रिकॉर्ड समय में बनाया गया है।

देश में कोरोना वायरस के 562 मामलों की पुष्टि

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना वायरस 'कोविड-19' के संक्रमण से अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 562 हो गई है।

स्वास्थ्य मंत्रालय की बुधवार की रिपोर्ट के मुताबिक कोरोना वायरस का प्रकोप देश के 25 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में फैल चुका है और इसके 562 मामलों की पुष्टि हो चुकी है। कोरोना संक्रमितों में से 519 मरीज भारतीय हैं जबकि 43 विदेशी नागरिक हैं। कोरोना वायरस के संक्रमण से देशभर में अब तक 11 लोगों की मौत हुई है जबकि 41 लोग स्वस्थ हो चुके हैं। कोरोना वायरस को लेकर पूरे देश में मंगलवार की मध्य रात्रि से प्रभावी लॉकडाउन के दौरान तमिलनाडु में बुधवार की सुबह इस जानलेवा विषाणु से एक व्यक्ति की मौत होने के साथ ही इससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो गई। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. सी विजयभास्कर ने ट्वीट कर इस खबर की पुष्टि करते हुए बताया कि मदुरै के राजाजी सरकारी अस्पताल में आज तड़के कोरोना वायरस से संक्रमित 54 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गयी। उन्होंने कहा कि डाक्टरों ने उस मरीज को बचाने का हरसंभव प्रयास किया लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका।

गौरतलब है कि महाराष्ट्र, केरल, दिल्ली, कर्नाटक, राजस्थान, पंजाब, उत्तर प्रदेश, गुजरात, तेलंगाना और लद्दाख में अभी तक सबसे अधिक संक्रमण के मामले सामने आये हैं। कोरोना महामारी से महाराष्ट्र में दो, दिल्ली, कर्नाटक, बिहार, गुजरात,पंजाब, हिमाचलप्रदेश, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में एक-एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है।

डब्लूएचओ ने भारत के लॉकडाउन के निर्णय को व्यापक और मजबूत बताया

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) ने कोरोनावायरस के कारण भारत सरकार के 21 दिन तक के लिए लॉकडाउन करने के निर्णय की सराहना की है। इसके साथ ही संयुक्त राष्ट्र ने भी एकजुटता की बात कही है।

जॉन हॉपकिंस विश्वविद्यालय के आकड़ों के मुताबिक वैश्विक स्तर पर इस महामारी ने अभी तक 422,900 से अधिक लोग संक्रमित हो गए हैं और 18,915 लोगों की मौत हो गई है।

भारत में बुधवार तक संक्रमित लोगों का संख्या 562 हो गई है और नौ लोगों की मौत हो गई है। इस महामारी से एहतियात बरतते हुए भारत के प्रधानमंत्री ने मंगलवार को देश के नाम संबोधन में 21 दिन तक देशव्यापी लॉकडाउन करने की बात कही। यूएन ने भी मंगलवार को वीडियो संदेश के जरिए भारत के निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि वह कोरोनावायरस के खिलाफ इस लड़ाई में भारत के साथ है। इस संदेश में भारत के द्वारा 22 मार्च को लगाए गए जनता कर्फ्यू की भी सराहना की गई है। इस वीडियो में भारत की खाली सड़कों का तस्वीरें भी दिखाई गई हैं।

उल्लेखनीय है कि कोरोनावायरस महामारी के तोजी से फैलने के कारण कई देशों में लॉकडाउन का घोषणा की गई है। लोगों से घरों से बाहर ना निकलने का आग्रह किया जा रहा है।

पेज 7 पर यह भी...

- 80 करोड़ परिवारों को मिलेगा सस्ता अनाज।
- मोदी ने नवराती मानवता उपासकों को की समर्पित।
- रामलला अस्थाई मंदिर में विराजित।
- संघ प्रमुख ने की अपील।
- केंद्र को चिदम्बरम का सुझाव ।

14 अप्रैल तक नहीं चलेगी कोई भी ट्रेन

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र द्वारा पूरे देश में कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए 21 दिन के लॉकडाउन का एलान करने के बाद भारतीय रेलवे ने अपनी सभी यात्री सेवाओं को 14 अप्रैल तक स्थगित रखने का फैसला किया है। रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान आवश्यक माल ढुलाई पूरे देश में जारी रहेगी। बीते रविवार को रेलवे ने यह कहते हुए अपनी सभी यात्री सेवाओं को 22 मार्च से 31 मार्च तक स्थगित करने का फैसला लिया था कि कोरोना से संक्रमित व्यक्ति अन्य लोगों में वायरस पहुंचा रहे हैं।

रेलवे ने कहा था कि इस दौरान केवल मालगाड़ियों का ही संचालन होगा। निलंबन में उपनगरीय रेल भी शामिल थीं। रेलवे स्टेशनों पर मंगलवार को रिजर्वेशन निरस्त कराने के लिए खोली गई खिड़कियां भी बंद कर दी गईं। बुकिंग विंडो पर इसकी सूचना भी चस्पा कर दी गई। रेलवे ने ट्रेनों के निरस्त होने के कारण रिजर्वेशन निरस्त कराने वाले यात्रियों को बगैर कटौती किए तीन माह तक रिफंड की सुविधा दी है। स्टेशनों पर सभी तरह केरेस्टोरेंट, फूड प्लाजा व स्टाल बंद हो गए हैं। मालगाड़ियों का संचालन चल रहा है। इसलिए मालगाड़ियों के चालक व गार्ड और स्टेशन का स्टाफभी ड्यूटी कर रहा है। रनिंग रूम व गार्ड लाबी में भी ड्यूटी लगी हुई है। लेकिन कर्मचारियों को खाने का सामान नहीं मिल पा रहा है। हालांकि रनिंग रूम का मैस चल रहा है।

सत्ता समीकरण से सिकंदर बने 'शिवराज'

माही की गूंज, झाबुआ। धर्मेंद्र पंचाल

मध्य प्रदेश में कमलनाथ और उनकी सरकार की विदाई के साथ एक बार फिर यह सिद्ध हो गया है कि वर्तमान भारतीय राजनीति में समीकरण बनते-बिगड़ते देर नहीं लगती। जो इन समीकरणों को साध ले, वही वक्त का सिकंदर। समीकरण न साध सकने के कारण अगर कुछ दिन पूर्व भाजपा को महाराष्ट्र में सत्ता गंवानी पड़ी थी, तो अब समीकरण साधकर उसने मप्र की सत्ता हासिल कर भी दिखा दी है। केंद्र सरकार में लगातार दूसरी बार सत्तासीन होने के बाद पिछले मात्र 10 महीनों में इस तरह किसी राज्य में कांग्रेस को सत्ता से बाहर जाने के लिए विवश करने का भारतीय जनता पार्टी का यह दूसरा सफल प्रयोग है। सयाने याद दिला रहे हैं कि भाजपा ने इस कालावधि में मप्र से पहले कर्नाटक में कांग्रेस और जेडीएस के गठबंधन के हाथों से सत्ता छीनी थी। विधायकों के समीकरण को अपने पक्ष में साथ कर भाजपा का मप्र में कमलनाथ नीत कांग्रेस कोस सत्ता से बाहर करना किसी अभियान की सफलता से कम नहीं है। इससे पता चलता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लोकसभा की दूसरी पारी जीतने के बाद भाजपा का मन खूब बढ़ा हुआ है और सत्तासीन होने के अपने अभियान में वह निरंतर नए जोश से आगे बढ़ रही है। अर्थात् भाजपा का विजय अभियान चालू है- कहीं प्रतयक्ष तो कहीं प्रच्छन्न। कर्नाटक और मप्र में हारी हुई बाजी को जीत में पलटना इसका प्रमाण है।

अब रही बाहर हो चुकी कमलनाथ सरकार की यह पीड़ा कि 'मप्र में भाजपा को शासन के लिए 15 साल मिले थे और जनता ने हमें 5 साल के लिए चुना था, लेकिन साजिश के तहत महज 15 महीने दिए गए।' तो कहा जा सकता है कि उनकी सरकार का टूटना भाजपा की साजिश की तुलना में उनकी खुद की अयोग्यता का स्वाभाविक परिणाम अधिक प्रतीत होता है। अयोग्यता अपने ही कद्दावर साथी ज्योतिरादित्य सिंधिया के असंतोष से उपजे असंतुष्ट विधायकों के नए समीकरण को न साध पाने की। समीकरण बिगड़ा, तो दुर्घटना घटी।

गौरतलब है कि मप्र के समीकरण को स्वतः 'कमल' के प्रसार अभियान का रुप मिलने में ज्योतिरादित्य सिंधिया की केंद्रीय भूमिका रही। उन्होंने जैसे ही कांग्रेस छोड़कर भाजपा के पाले में कदम रखा, उनके समर्थक और 22 विधायकों ने त्याग पत्र दे दिया। इस तरह समीकरण डोलते ही कमलनाथ का आसन डोल गया। जिसे वे पुश्तैनी जायदाद समझने की मूलभूत गलती कर बैठे थे। आपके अपने अगर साथ छोड़ जाएं, तो पुश्तैनी जायदाद भी हाथ से निकल जाती है, यह तो फिर कुर्सी है, जो निरंतर चलायमान रहती है। इसलिए अगर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि राज्य में कांग्रेस की सरकार उनके निजी अंतर्विरोध के कारण ही गिरी है, तो यह सच ही है। लेकिन सच यह भी है कि शिवराज ने कांग्रेस के इस अंतर्विरोध को पहचान कर, सत्ता समीकरण को अपने पक्ष में लाने में कूटनीतिक जीत हासिल की है। स्वाभाविक है कि इससे राष्ट्रीय स्तर पर भी कांग्रेस का मनोबल गिरेगा। चौहान ने सही ही याद दिलाया था कि जब विधानसभा चुनाव के परिणाम आए थे, तब सीटों का अंतर ज्यादा नहीं था। उस समय भाजपा कोई ऐसा फार्मूला न तलाश सकी कि कांग्रेस को सत्ता पाने से रोक पाती। लेकिन अपनी गलत प्राथमिकताओं के कारण कांग्रेस खुद अपना घर नहीं संभाल सकी और अपने ही लोगों को असंतुष्ट कर बैठी। कुल मिलाकर यही कि सियासी समीकरण ऊपर से अंकगणित जैसे पारदर्शी भले लगते हो, भीतर से वे बीजगणित जैसे जटिल हुआ करते हैं।

सभी देशवासियों से एक विनम्र आग्रह

आप सभी देशवासियों से माही की गूंज की विनम्र अपील है कि कोरोना वायरस से बचाव व फैलने से रोकने के लिए सरकार द्वारा जारी किए गए दिशा-निर्देशों का पालन करें।

निवेदक – माही की गूंज

निम्न बातों पर अवश्य ध्यान दें

सावधानी बरतें

- दिन में कई बार हाथ साबुन या हैंडवॉश से साफ करें
- जिनमें सर्दी या फ्लू जैसे लक्षण हो, उनके करीब न जाएं
- पर्याप्त मात्रा में लिक्विड व पोषक तत्व लें
- खाने में दही का इस्तेमाल जरूर करें
- मोबाइल स्क्रीन को डिसइनफेक्टिंग वाइप से साफ करें
- बाथरूम साफ रखें, प्लास्टिक कर्टन का इस्तेमाल न करें

ऐसा न करें

- गंदे हाथों से आंख, नाक या मुंह न छुएं
- गले न लगें और न ही हाथ मिलाएं
- सार्वजनिक जगहों पर न थूकें
- डॉक्टर की सलाह के बिना दवा नहीं लें
- इस्तेमाल हुए नैपकिन, टिश्यू पेपर खुले में न फेंकें
- फ्लू वायरस से दूषित सतहों को नहीं छुएं
- सार्वजनिक जगहों पर स्मोकिंग न करें
- अनावश्यक एचाएना की जांच नहीं करवाएं

लक्षण

- सिरदर्द, सांस लेने में तकलीफ, छींक आना, खांसी, बुखार, किडनी संक्रमण

मिथक और सच्चाई

कोरोना वायरस की दहशत आम लोगों के बीच इस कदर बढ़ती जा रही है कि कोरोना से जुड़ी कोई भी खबर देखते ही वे अपने दोस्तों या परिजन को शेयर करने लग जाते हैं। ऐसे में कोरोना की सावधानियों के बीच ऐसी कई अफवाह भी हैं, जो लोगों के बीच फैलती जा रही है। कोरोना की ऐसी ही कई गलतफहमियों को दूर करने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ऐसी ही 14 बातों की लिस्ट बनाई है जो मिथक हैं, लेकिन तेजी से दुनियाभर में वायरल हो रहे हैं। आइए, जानते हैं क्या है मिथक और उनकी सच्चाई...

- **मिथक:** गर्म मौसम और नमी में नहीं फैलता कोरोना।
- **सच:** आम लोगों के बीच यह गलतफहमी है कि गर्म मौसम में कोरोना नहीं फैलता [illegible] विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि कोरोनावायरस कहीं भी, किसी भी क्षेत्र फैल सकता है। गर्म और नम मौसम में भी। कोरोना संक्रमण का पर्यावरण या जलवायु से कोई संबंध नहीं है।
- **मिथक:** ठंडा मौसम व बर्फ कोरोना वायरस को खत्म करता है।
- **सच:** [illegible] बाहर का तापमान कितना भी हो, हमारा औसत बॉडी टेम्प्रेचर 36.5 से 37 डिग्री के बीच होता है।
- **मिथक:** गर्म पानी से नहाने पर मरता है कोरोना वायरस।
- **सच:** [illegible]

[illegible]

कोविड-19 | कुछ सवाल और उनके जवाब

[illegible]

[illegible]

क्या घर के अंदर रहने से मुझे कोविड-19 नहीं होगा?

कोविड-19 वायरस एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में संक्रमित होता है। इसी वजह से यह सलाह दी जाती है कि सामाजिक संपर्क में आने से बचा जाए। इससे क्या होगा? आइये समझते हैं। मान लीजिए कि सुबह से शाम तक घर से बाहर रहने के दौरान आप 50 लोगों के संपर्क में आते हैं, जिनमें से कोई एक कोविड-19 से संक्रमित है। तो यह संक्रमण आपके साथ आपके घर पहुंच जाएगा और फिर आपके परिवारजनों के बीच। अगर आप किसी ऐसे व्यक्ति के संपर्क में नहीं आते हैं, तो चिंता की कोई बात ही नहीं होगा। आप 100 प्रतिशत सुरक्षित रहेंगे। और आपका परिवार भी।

मुझे कोविड-19 होने की कितनी संभावना है?

जोखिम इस बात पर निर्भर करता है कि आप कहां हैं, और क्या वहां कोविड-19 का प्रकोप है। इस मामले में घबराने की जरूरत नहीं क्योंकि ज्यादा जगहों के अधिकांश लोगों को कोविड-19 होने की संभावना बहुत कम है। अगर आप किसी ऐसे व्यक्ति के संपर्क में आए हैं, जो विदेश से लौटा है या किसी ऐसी जगह से आया है जहां कोविड-19 का प्रकोप है, तो आपको कोविड-19 होने का जोखिम हो सकता है। [illegible]

मैं अपनी सुरक्षा कैसे कर सकता हूं?

आप कुछ साधारण सी बातों पर अमल करके अपनी और अपने प्रियजनों की सुरक्षा कर सकते हैं।

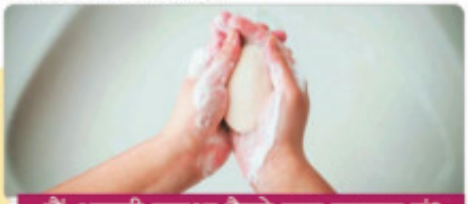

- [illegible] सैनिटाइजर या [illegible] से नियमित रूप से हाथ साफ करते रहें। [illegible] साबुन और पानी से अपने हाथ धोएं। [illegible] वायरस मर जाते हैं।
- अगर किसी व्यक्ति को हल्की-फुल्की खांसी भी आ रही है, तो उससे कम से कम 1 मीटर की दूरी बनाकर रखें और उसे मास्क पहनने के लिए कहें।
- हाथ साफ किए बिना आंख, मुंह और नाक को छूने से बचें।
- ध्यान रखें कि आपके आस-पास के व्यक्तियों को किसी प्रकार की श्वास संबंधी समस्या न हो।
- अगर तबियत ठीक न हो, तो घर पर ही रहें। [illegible] खांसी या बुखार जैसी कोई भी समस्या होने पर तुरंत चिकित्सकीय मदद लें।
- बाहर या किसी भी ऐसी जगह से दूर रहने की कोशिश करें, जहां कोविड-19 होने की खबर हो। अगर बहुत जरूरी न हो, तो भीड़-भाड़ वाले इलाके से दूर रहें।

[illegible]

यूं बचाई जिंदगी की डोर

बचा ली पति की जिंदगी

[illegible]

कोरोना को हराने वाले मरीज की कहानी

[illegible]

20 दिन घर में रहे कैद

[illegible]

गुड न्यूज | चार दिन तक दो गोलियां दीं, ठीक हो गई मरीज

[illegible]

ऐसे किया गया इलाज

[illegible]

कोरोना वायरस के मद्देनजर प्रशासन ने 100 बिस्तरीय आशाग्राम अस्पताल का किया अधिग्रहण

अस्पताल में बनेगा आइसोलेशन वार्ड

माही की गूंज, बड़वानी। जिला प्रशासन ने कोरोना वायरस से एहतियात बतौर की जाने वाली व्यवस्थाओं के तहत आशाग्राम के 100 बिस्तरीय अस्पताल का अधिग्रहण किया है। अब इस अस्पताल में जिला प्रशासन 100 बिस्तरीय आइसोलेशन वार्ड का निर्माण करेगा । उल्लेखनीय है कि पूर्व में भी जिला प्रशासन ने, जिला नर्सिंग प्रशिक्षण संस्थान में 30 बिस्तरो का आइसोलेशन वार्ड का निर्माण कर रखा है। कलेक्टर श्री अमित तोमर ने बताया कि यद्यपि जिले में अभी कोई भी कोरोना वायरस से पीड़ित नही पाया गया है, किन्तु शासन के निर्देशानुसार एहतियात बतौर की जाने वाली व्यवस्थाओं के तहत इस 100 बिस्तरीय आइसोलेशन वार्ड का निर्माण किया जा रहा है।

मंगलवार को आशाग्राम के अस्पताल का निरीक्षण कलेक्टर श्री अमित तोमर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिता सिंगारे, सिविल सर्जन डॉ. आरसी चोयल के साथ किया । इस दौरान आशाग्राम अस्पताल के संचालक डॉ. जगदीश यादव, डॉ. एसएन यादव भी मौके पर उपस्थित थे ।

मंगलवार को आशाग्राम अस्पताल के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने संस्था के पदाधिकारियो से अस्पताल में उपलब्ध संसाधनो, कर्मियो की जानकारी प्राप्त कर बताया कि शीघ्र ही संस्था के कर्मियो को आइसोलेशन वार्ड में रखी जाने वाली सावधानियो, भर्ती रोगियो को किस प्रकार मेडिकल सुविधा उपलब्ध कराना है, इसका प्रशिक्षण दिया जायेगा।

दुर्घटना में एक की मौत

माही की गूंज, पेटलावद/ रायपुरिया। शनिवार शाम 7 बजे के आसपास मोटरसाइकिल सवार व कार की टक्कर से एक व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी अनुसार गांव दसई से दवाई लेकर अपने अपने गांव मुखड़ा थाना कल्याणपुरा मोटरसाइकिल से जा रहे थे। तभी रायपुरिया की ओर से राजगढ़ की ओर जा रही कार से टक्कर हो गई। घटना बोलासा घाट व जमुनिया फाटा के बीच बताई जा रही है। मृतक का नाम रूसिया पिता पागला खराड़ी उम्र 30 वर्ष बताया जा रहा है। उसका भाई घायल हो गया। दोनों कल्याणपुरा थाना क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। मृतक का पोस्टमार्टम के बाद अंतिम संस्कार किया गया।

जनता कर्फ्यू के साथ अब तक लॉक डाउन अंचल कस्बाई क्षेत्रों में नहीं बरती जा रही सावधानियां

माही की गूंज, खवासा। उमेश मालवीय

22 मार्च को जनता कर्फ्यू का पूर्णतः समर्थन कर ग्राम सहित क्षेत्र में हर परिवार का व्यक्ति अपने घर में ही रहा और कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई लड़ी। शाम 5 बजे घर की छतों व गैलरी में आकर बच्चों से लेकर बड़ों तक ने थाली, घंटी, ताली व शंख बजाकर सम्मान किया। जनता कर्फ्यू में मजदूरों ने भी खेतों में कार्य नहीं किया और वे भी अपने घर पर रहे। देश में कोरोना वायरस के संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़ते देख शासन के निर्देशों के बाद 22 मार्च को ही रात्रि 10 बजे बाद 25 मार्च तक लॉक डाउन का आदेश कलेक्टर ने जारी कर दिया था। कलेक्टर के आदेश के पूर्व ही इस कोरोना की लड़ाई में शासन व प्रशासन के साथ खड़ा रहकर सकल व्यापारी संघ खवासा ने शाम 7 बजे ही 25 मार्च तक खवासा बंद का निर्णय ले लिया था व संघ के निर्णय की जानकारी स्थानीय पुलिस को दे दी थी कि, सुबह 9 बजे तक दूध-सब्जी व शाम 5 बजे बाद अति आवश्यक वस्तु परिवार का एक ही सदस्य आकर सामग्री खरीद सकता है और व्यापारी किसी भी स्थिति में शाम 5 बजे बाद अंदर या बाहर भीड़ ना होने दें। उक्त निर्णय को बताया कर पुलिस प्रशासन के सहयोग की मांग की थी। प्रशासन के लॉक डाउन के निर्देश के बाद भी लॉक डाउन की वास्तविकता को खवासा सहित क्षेत्रवासी नहीं समझ पा रहे हैं कि, आवश्यक कार्य से ही आवागमन करें, परंतु बिना किसी विशेष कार्य के मात्र बीड़ी-माचिस, गुटखा-पाउच व फोटोकॉपी करवाने के नाम से बाजार में दो पहिया वाहन से तीन-तीन, चार-चार लोग बैठकर आ रहे है। पुलिस ने कुछेक के चालान भी बनाए। वहीं 5 बजे बाद 23 मार्च को एक दो किराना व्यापारी ने अपनी पूरी दुकान खोल दी, जिस पर भीड़ होते देख पुलिस ने भीड़ को भगाकर दुकान बंद करवाई। जिसके बाद आवश्यक वस्तु के दुकानदार भी ऐहतियाद बरते हुए नजर आए। कोरोना वायरस के संक्रमण के तहत भले ही हिदायत दी जा रही है कि, ठंडे का उपयोग जैसे आइसक्रीम, सॉफ्ट ड्रिंक आदि किसी का उपयोग खाने-पीने में नहीं करें, क्षेत्र में गर्मी के मौसम में बच्चों द्वारा पेप्सी, चस्का खाने का बड़ा चलन है। 22 मार्च के जनता कर्फ्यू के दौरान भी देखने को मिला कि, एक व्यापारी जो की एक शिक्षक है, उसने बच्चों को एक-एक रुपए में मिलने वाली पेप्सी, चस्का को देने में भी कोई कुरेज नहीं किया। भामल में लॉक डाउन के बाद भी कुछ व्यक्तियों ने अपने प्रतिष्ठान व होटल खोलने व भीड़ इकट्ठा होने पर पुलिस को सूचना मिलने पर पुलिस भामल पहुंची और ऐहतियाद के साथ भीड़ को भगाकर दुकानें बंद करवाई गई।

कोरोना को परास्त करने में व्यापारी संघ भी निभाएगा अपनी अहम भूमिका

सकल व्यापारी संघ खवासा के अध्यक्ष संजय भटेवरा एवं संघ के सदस्य जीवनलाल चोपड़ा, जितेंद्र वागरेचा, जितेंद्र सेन, शुभम चाणोंदिया, रिंकू कोठारी, मुकेश चौहान, मनीष चौहान, संजय चौहान, बलराम बैरागी, संदीप पाटीदार, संदीप वागरेचा, कृष्णा चौहान, दीपक पाटीदार, शैतान लोहार, मनीष चाणोदिया आदि सभी व्यापारियों ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि, वे शासन और प्रशासन के निर्देश को माने व घर में रहकर कोरोना वायरस के संक्रमण से स्वयं को बचाए व सुरक्षित रहे। संघ के अध्यक्ष भटेवरा ने बताया कि, कोरोना वायरस से लड़ाई लड़ने हेतु अभी तो यह अंगड़ाई है आगे और लड़ाई है। आमजन बिना किसी अति आवश्यक कार्य के कस्बे में आवाजाही करते हैं, तो ऐहतियाद के तौर पर सकल व्यापारी संघ के सभी सदस्य पुलिस प्रशासन के साथ पूरा सहयोग प्रदान कर दो-दो सदस्य ग्राम के मुख्य मार्ग व चौराहे पर खड़े रहकर बेवजह से गांव में आने वाले राहगीरों को अपने घर में रहने की समझाइश देकर उन्हें वापस अपने घर हेतु रवाना किया जाएगा। यह कार्य प्रशासन के साथ जब तक इस कोरोना वायरस पर पूरी तरह से नियंत्रण नहीं हो जाए तब तक व्यापारी संघ एवं गांव के सभी पत्रकार प्रशासन के साथ अपना पूरा सहयोग प्रदान करेंगे।

खवासा पुलिस बुधवार को बिना किसी कारण से घर से बाहर निकलने वाले एवं बाहर से गांव में आने वालों पर सख्ती से पेश आई। जिसकी सराहना सोशल मीडिया पर की जा रही है।

सेनेटाइजर का किया छिड़काव

सकल व्यापारी संघ की पहल पर ग्राम पंचायत द्वारा पूरे ग्राम में सेनेटाइजर का छिड़काव किया गया। उक त कार्य में विशेष रूप से रमेश बारिया, कमलेश भटेवरा, ओमप्रकाश भालोड़, अशोक चौहान आदि का विशेष योगदान रहा।

महंत गोपालदासजी का देवलोक गमन, अंतिम यात्रा निकली

माही की गूंज, थांदला। स्थानीय हनुमान अष्ट मंदिर भक्त मलूक दास जी बावड़ी के महंत गोपालदास, गुरु मदन मोहनदासजी महाराज का देवलोक गमन चौत्र शुक्ल प्रतिपदा दिनांक 25 मार्च को प्रातः ब्रह्म मुहूर्त में हो गया। महंत गोपालदासजी अल्प बीमारी में उपचारत थे। अंतिम यात्रा मंदिर परिसर से सुसज्जित ढोल में निकाली गई। जिसमें अंचल सहित दूरदराज से बड़ी संख्या में संत महात्मा एवं श्रद्धालु भक्तजन सम्मिलित हुए।

इस अवसर पर सिद्ध पीठ पीपलखूंटा के महंत दयारामदास महाराज, बालकदास महाराज, रामप्रवेशदास महाराज, अनी अखाड़े के नागा संत उत्तमदास महाराज,श्रीदास महाराज, गणेशदास त्यागी महाराज उज्जैन, शांति आश्रम के महंत सुखरामदास महाराज, महंत चिंतामणि महाराज, राघवदास महाराज खटोली सहित पूर्व विधायक कलसिंह भाबर, नगर परिषद के अध्यक्ष बंटी डामोर, उपाध्यक्ष मनीष बघेल, नेता प्रतिपक्ष लक्ष्मण राठौर, पार्षद आनंद चौहान, सामाजिक कार्यकर्ता बाबूलाल धमानिया, कृष्णकांत सोलंकी, संघ के भूषण भट्ट, सुनील पण्दा, न्यास मंडल के अशोक अरोरा, विश्वास सोनी, विठ्ठल शर्मा, तुलसीराम मेहता, महेश नागर, गणराज आचार्य, दिलीप पंचाल, नरसिंह भक्त मंडल के गिरधारी लाल राठौड़, पंकज चौहान, मुकेश पंचाल, मुकेश प्रजापत, समरथ गुरु प्रजापत महाराज, सेवादास महाराज, रामदास महाराज, बलरामदास महाराज सहित सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए एवं श्रद्धांजलि अर्पित की।

कोरोना से जंग

पटवारी संघ देगा राहत कोष में दो करोड़ की राशि

माही की गूंज, झाबुआ। मप्र पटवारी संघ भोपाल के आह्वान पर प्रदेश के 19 हजार 20 पटवारियों द्वारा कोरोना वायरस कोविड-19 की राष्ट्रीय महामारी के आपदा प्रबंधन कार्यो हेतु मार्च माह 2020 के वेतन से एक दिन का वेतन की राशि लगभग दो करोड की सहायता राशि मुख्यमंत्री राहत आपदा कोष मे समर्पित करने संबंधित पत्र जारी किया गया है।'उक्त जानकारी देते हुए मध्यप्रदेश पटवारी संघ के जिलाध्यक्ष अखिलेश मुलेवा ने दी।

जिला अस्पताल में अब स्क्रिनिंग की सुविधा उपलब्ध, चार थर्मल स्कैनर मिले

माही की गूंज, झाबुआ। कोरोना वायरस के चलते जहां पूरे देश व दुनिया में हड़कंप है और सभी किसी न किसी तरह से इस खतरनाक वायरस से लड़कर इसे खत्म करने के प्रयासों में जुटे है। देश-प्रदेश में भी इसके खिलाफ जंग जारी है और हर तरह की सावधानी से इस दिशा में काम किया जा रहा है। वहीं खतरनाक कोरोना वायरस को लेकर झाबुआ जिले में भी सतर्कता बरती जा रही है। यहां जिले को 23 से 25 मार्च तक लॉक डाऊन किया गया है। साथ ही विपरीत परिस्थिति से निपटने के लिए पुलिस व प्रशासन के साथ ही जिले के डॉक्टर व पूरी स्वास्थ्य विभाग की टीम पूरी मुस्तैदी से जुटी हुई है। इस बीच अब जिला अस्पताल में थर्मल स्क्रीनिंग की सुविधा भी उपलब्ध हो गई है। इस हेतु जिला प्रशासन द्वारा अस्पताल को चार थर्मल स्कैनर उपलब्ध कराये गए है। जिससे अब स्वस्थ व बीमार व्यक्ति की जांच करने में आसानी होगी। डॉक्टर एम. किराड ने बताया कि इस थर्मल स्कैनर से तापमान के आधार पर रोग ग्रस्त व्यक्ति की पहचान की जा सकती है। थर्मल स्कैनर स्वस्थ व्यक्ति और संक्रमित व्यक्तियों में अंतर स्पष्ट करता है।

नोडल अधिकारी डॉ. जितेंद्र बघेल ने बताया कि हमें प्राप्त हुए चार थर्मल स्कैनर चार अलग अलग स्थानों पर रहेंगे। जिनमें से एक जिला अस्पताल के मुख्य गेट पर रहेगा वहीं एक आईसोलेशन सेंटर व एक कोरोनटाइन सेंटर तथा एक भ्रमण टीम के पास रहेगा जिससे मरीजों की पहचान करने में आसानी होगी। इस उपलब्ध सुविधाओं के साथ ईश्वर का शुक्र है और राहत वाली खबर यह भी है कि जिले में अब तक कोई कोरोना ग्रस्त नहीं है। संदिग्ध मरीज इस बीमारी से ग्रस्त नहीं है , भेजी गई दो रिपोर्ट में से एक संदिग्ध की रिपोर्ट नेगेटिव आई है वहीं दूसरी रिपोर्ट का अभी इंतजार बाकी है साथ ही अन्य दो मलेरिया बुखार वाले मरीज है। यह राहत यूं ही बनी रहे इसलिए सभी लॉक डाऊन के नियमों का पालन करे उसका उलंघन न करे। अपनों के लिए अपने घर पर ही रहे, अति आवश्यक कार्य होने पर ही घर से बाहर निकले, हमारा अनुशासन ही हमे इस जंग में जिताएगा।

चारों ओर कोरोना वायरस से हाहाकार, बचने के लिए लॉक डाउन के आदेश

माही की गूंज, पेटलावद।

कोरोना वायरस की देश में आमद के साथ ही पूरा देश हाई अलर्ट पर चला गया। जिससे प्रदेश और झाबुआ जिला भी वंचित नही है। वायरस को गंभीरता से लेते हुए देश के प्रधानमंत्री पहले ही 22 मार्च को जनता कर्फ्यू का आह्वान कर चुके थे। 22 का जनता कर्फ्यू आया, उसे पहले पूरे देश में कोरोना पीड़ितों के एक के बाद एक मामलें सामने आने के बाद स्थानीय जिला प्रशासन ने लोक डॉउन को 25 मार्च तक बडा दिया। यहीं पेटलावद सहित पूरे अंचल जनता कर्फ्यू के दिन पालन करता नजर आया, लेकिन देर रात जारी 25 तक जारी लॉक डॉउन को कई लोगो ने हल्के में लिया और लोग सड़क पर आ गए। जिनको प्रशासन की शक्ति के बाद वापस घर भेजा गया। लॉक डाउन अभी भी जारी है और आगे की स्थिति को देखते हुए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस गंभीर बीमारी से निपटने के लिए पूरे देश में 21 दिन लॉक डॉउन घोषित किया है। इस बार सख्ती से पालन करवाने के भी राज्य सरकारों को आदेश दिए हैं।

रोकनी होगी चैनल

जिस प्रकार से पूरे विश्व में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को संबोधित करते हुवे इस बीमारी से निपटने के लिए केवल एक ही तरीका है कि इस वायरस की चौनल को फैलने से रोका जाए। इसके लिए लोगों को अपने-अपने घरों में रहना होगा ताकि नए मामले सामने नहीं आए और वायरस पीड़ितों का इलाज किया जा सके। प्रधानमंत्री के 21 दिन के लॉक डाउन की घोषणा के बाद लोग सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री के निर्णय के समर्थन में आए और फैसले का स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने साफकहा यदि 21 दिन के लॉक डाउन का सख्ती से पालन नहीं किया गया तो देश 21 साल पीछे चला जायेगा।

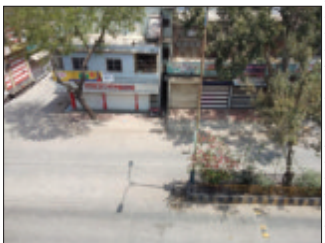

थाली और ताली बजा कर किया स्वागत

विषम परिस्थितियों में सफाई कर्मचारी, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों द्वारा सड़क पर उतर कर मोर्चा संभाले हुए हैं। जनता कर्फ्यू के दौरान प्रधानमंत्री की अपील पर पेटलावद सहित पूरे ग्रामीण अंचल में लोगों ने घर की छतों ओर बहार आकर सभी का उत्साह वर्धन करने के लिए थाली और ताली बजा कर स्वागत किया।

नगर परिषद जुटा सफाई में

स्थानीय नगर परिषद प्रशासन भी पूरी तरह से सफाई में जुट गया। नगर के सभी सार्वजनिक स्थानों को सेनेटाइज किया गया। वही लोगों को मुंह के मास्क बना कर बांटे और घर में सुरक्षित रहने और बिना जरूरी कार्य के बाहर नहीं निकलने की समझाइश दी गई। नगर की सभी मांस मच्छी की बिक्री पर भी रोक लगा दी गई है। नगर में सफाई का पूरा ध्यान रखा जा रहा है।

रेलवे ब्लॉक, यातायात ठप्प

वायरस की चपेट में आने से रेलवे भी नही रहा ,देश मे पहली बार ऐसा मौका आया कि पूरे रेलवे को बंद कर दिया गया जिससे कोरोना की गंभीरता को समझा जा सकता है , रेलवे ने अपने अगले आदेश तक 31 मार्च तक रेलवे को पूरी तरह से रोक दिया ,रेलवे ओर सभी तरफबॉल्क डॉउन की स्थिति के चलते सड़क पर से दूसरे सभी छोटे बड़े वाहन सड़को से गायब हो गए , जिससे आवा जाही में परेशानी हो गई। 21 दिन केलॉक डॉउन को देखते हुवे रेलवे की समय सीमा भी बढ़ना तय है ।

ग्रामीण इलाकों में अभी भी लॉक डाउन नहीं

पेटलावद सहित सारेंगी, बामनिया, करवड़, झकनावदा, रायपुरिया जैसे कई बड़े नगर पूरी तरह लॉक डॉउन रहे लेकिन ग्रामीण इलाकों में असर कम देखने को मिल रहा है ग्रामीण इलाकों में जागरूकता की कमी के कारण आज भी लॉक डॉउन नही कर रहे है । तरह तरह की अफवाओं के चलते ग्रामीणों में असमंजस की स्थिति है हालांकि यातायात के साधन रुकने से ग्रामीणों की आवाजाही बन्द हो गई जो कि मजदूरी के लिए वाइरस की परवाह किये बिना जाने की तैयारी में थे ।

पंद्रह हजार से अधिक मरे , लाखों बीमार

पूरे विश्व मे इस भयवाह बीमारी के चपटे में है कई बड़े देश गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं , विश्व भर के अलग अलग देखो में पंद्रह हजार से अधिक लोग दम तोड़ चुके हैं जबकि लाखो लोगो ने इस वायरस ने अपनी चपेट में ले रखा हैं , फ्लिहाल इस वायरस का एन्टी जोस किसी भी देश के पास नही है इसलिए वायरस को रोकने सबसे बड़ा उपाय उसे फैलने से रोकना ही हैं और इसलिए पूरे देश मे लॉक डॉउन की स्थिति हैं।

बेवजह बाजार में घूमने वाले डंडे-लाठी खाने और जेल जाने के लिए तैयार रहें

एसडीएम बोले दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी

माही की गूंज, मेघनगर। भूपेंद्र जैन

कोरोना वायरस के काल का ये दौर आसान नहीं है। अनदेखी और लापरवाही से यह जानलेवा बीमारी विकराल रूप धारण कर सकती है। बस थोड़ी सी सावधानी और सतर्कता, सामाजिक दूरी और स्वंच्छता की ऐहतियात से हम इस महामारी से जीत सकते हैं।

इस लॉकडाउन में घर से बाहर निकलने पर रोक लग गई है। लेकिन कुछ शरारती तत्व और असामाजिक तत्व खुद की स्वास्थ्य की परवाह किए बगैर दूसरे लोगों की जान को खतरा उत्पन्न करने पर आमादा है। लगातार प्रशासन और पुलिस द्वारा सुबह से शाम तक समझाईश दी गई। जिसके बाद भी इसका असर देखने को नहीं मिला। नगर के मीडिया बंधु पूरे हालात को देखने के बाद मेघनगर थाने पर एकत्रित हुए। एवं सख्ती से कार्रवाई करने का निवेदन करते हुए कहा कि अन्य जिलों की तरह आप थोड़ा सख्ती से पेश आएं। उक्त पूरे विषय को लेकर मेघनगर एसडीएम को भी अवगत कराया गया। जिसके बाद पुलिस मोबाइल से मेघनगर पुलिस थाने का फोर्स नगर के झाबुआ चौराहा, सदर बाजार, आजाद चौक, बस स्टैंड, दशहरा मैदान, साई चौराहा, रानू कॉलोनी एवं टीचर कॉलोनी पहुंचा। बाजार में घूमते लोगों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई। जिसमें कई नाबालिग बच्चे बाजार में बेवजह घूमते नजर आए। पुलिस द्वारा कई वाहन जप्त कर दंडात्मक कार्रवाई की गई। पुलिस द्वारा सूचना दी गई कि कल से बेहद शक्ति जिला पुलिस कप्तान के निर्देशानुसार की जाएगी। प्रधानमंत्री मोदी के लॉक डाउन की घोषणा के बाद राज्य सरकार ने भी कमर कस ली है। सभी नागरिक लॉक डाउन के नियमों का पालन करें और घर में रहे, नहीं तो डंडे खाने एवं जेल जाने के लिए तैयार रहें।

वहीं अनुविभागीय अधिकारी पराग जैन से चर्चा के दौरान बताया कि जनता कर्फ्यू के अगले दिन लॉक डाउन में हमने सुबह से दोपहर तक आम जनता को हमने काफी समझाइश देने का प्रयास किया, लेकिन कुछ शरारती तत्व मानने को तैयार नहीं है। वह कोरोना वायरस जैसे संक्रमण को हल्के में ले रहे हैं। ध्यान रहे हमें अपने स्वास्थ्य की चिंता स्वयं को करनी है। यदि कोई भी बेवजह बाजार में फिजूल घूमते पाया जाएगा तो उसके विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय

लॉकडाउन के बावजूद, हम भगवान भरोसे हैं

देश के 24 राज्यों के कुल 339 जिलों में पूर्ण और आंशिक लॉकडाउन किया जा चुका है। करीब 75 करोड़ आबादी इसके दायरे में है। लॉकडाउन के बावजूद यह दावा नहीं किया जा सकता कि कोरोना वायरस तीसरे चरण में नहीं पहुंचेगा। वायरस का सामुदायिक प्रसार नहीं होगा। वह चरण ही भारत के लिए जानलेवा साबित होगा, क्योंकि हमारे पास इलाज की व्यवस्था नहीं है। करीब 138 करोड़ के देश में सिर्फ 30,000 के करीब वेंटिलेटर ही हैं। कई चिकित्सा विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि यह बीमारी अभी बढ़ेगी, लिहाजा मौतें भी स्वाभाविक हैं, क्योंकि स्थानीय संक्रमण जारी है। दरअसल भारत में लॉकडाउन देरी से घोषित किए गए हैं। अब भी लगभग आधे देश में लॉकडाउन लागू नहीं किया गया है। चूंकि राज्यों में सेवाओं, फैक्ट्रियों, निर्माण कार्यों को बंद अभी दो दिन पहले ही किया गया है, लिहाजा उनसे जुड़े मजदूर और अन्य लोग अपने गांवों को लौट गए हैं। जिस तरह यह जमात रेलगाड़ियों में ठुंसकर बैठी और यात्रा की, उससे आशंका पुख्ता होती है कि संक्रमण का सामुदायिक विस्तार होगा या हो रहा है। उत्तर प्रदेश में पीलीभीत की एक औरत का मामला सामने आया है, जो कोरोना संक्रमित पाई गई। वह मक्का से उमरा करके लौटी थी और 37 अन्य लोग उसके संपर्क में रहे, लिहाजा सभी को क्वारेंटीन, एकांतवास में भेजना पड़ा है। क्या यह सामुदायिक प्रसार का उदाहरण नहीं है? फिल्मी गायिका कनिका कपूर की महफिलों और कोरोना के संक्रमण को अभी हम नहीं भूले हैं। बेशक 63 लोगों के टेस्ट नेगेटिव आए हैं, लेकिन अभी 120 टेस्ट के नतीजे आने हैं। प्रख्यात हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. नरेश त्रेहन ऐसे लोगों को 'देशद्रोही' करार देते हैं, क्योंकि सामुदायिक प्रसार का संकटमय खतरा उन्हीं से गहराता है। ऐसे कई मामले पंजाब, उत्तर प्रदेश और बिहार आदि राज्यों में सामने आए हैं। पंजाब में तो लॉकडाउन के बाद पूर्ण कर्फ्यू भी लागू कर दिया गया है। पुडुच्चेरी में भी कर्फ्यू घोषित किया गया है। कर्फ्यू में कोई ढील नहीं दी जाएगी। विशेष स्थितियां अपवाद हो सकती हैं। बहरहाल अमरीका की प्रख्यात पत्रिका 'इकोनॉमिस्ट' ने विशेष अध्ययन और सर्वेक्षण के बाद यह निष्कर्ष दिया है कि भारत की स्थिति इटली के हालात से एक माह और अमरीका के हालात से 15 दिन ही दूर है। इटली, अमरीका, ब्रिटेन में हालात इसलिए भयानक हुए, क्योंकि उन देशों ने या तो लॉकडाउन नहीं किया अथवा देर से किया। नतीजतन इटली में मौत का आंकड़ा 5500 पार कर चुका है। अमरीका में भी करीब 400 मौतें हो चुकी हैं। भारत में भी लॉकडाउन व्यापक स्तर पर किया जा रहा है, ताकि व्यक्ति-दर-व्यक्ति कोरोना वायरस न फैल सके। प्रधानमंत्री मोदी ने भी चिंता और गुस्सा जताया है कि अब भी लोगों ने लॉकडाउन को गंभीरता से नहीं लिया है। कृपया करके वे खुद को बचाएं और परिवार को भी बचाएं। राज्य सरकारें सख्ती से इसका पालन कराएं। प्रधानमंत्री ने टीवी चौनलों के मालिकों, समूह संपादकों और पत्रकारों से भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बातचीत की। जाहिर है कि हालात सामान्य नहीं हैं। कोरोना संक्रमितों के आंकड़े लगातार बढ़ रहे हैं। भारत में कोरोना की गिरफ्त में 430 से ज्यादा केस दर्ज किए जा चुके हैं और मौतें भी 9 हो गई हैं। डाक्टरों का मानना है कि इन आंकड़ों से हकीकत को नहीं जान सकते। अभी कई जांच के नतीजे आने हैं, लिहाजा संक्रमण के आंकड़े भी बढ़ेंगे। आगामी 15 दिन देश के लिए बेहद नाजुक हैं। शायद इसी के मद्देनजर संसद का बजट सत्र तय वक्त से पहले स्थगित किया गया है। सर्वोच्च न्यायालय कुछ अहम मामलों की सुनवाई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ही करेगा। वकीलों के चौंबर सील करने का भी निर्णय लिया गया है। शीर्ष अदालत ने जेल में सजा काट रहे कुछ कैदियों को परोल देने का भी फैसला दिया है। परोल राज्य सरकारें तय करेंगी। इन तथ्यों के मद्देनजर कोरोना के भारत में हालात कैसे हो सकते हैं, उन्हें ही सुरक्षित करने को बचाव और जागरूकता का प्रचार किया जा रहा है, लेकिन यह देश भगवान भरोसे ही है।

कोरोना काल से करूणा काल की ओर

राहुल देव
वरिष्ठ पत्रकार

कोरोना शब्द की ध्वनि दो अन्य हिन्दी शब्दों की ध्वनियों से मिलती जुलती है - घृणा तथा करुणा।

भारत के इस कोरोना काल में घृणा संक्रमण का अनुभव भी देश को लगभग उसी समय, उतनी ही व्यापकता और गहराई से हुआ जितना कोरोना वाइरस के बढ़ते हुए वैश्विक प्रकोप और प्रसार का। इस घृणा विषाणु का दंश तो सबसे ज्यादा राजधानी दिल्ली ने झेला लेकिन उसकी आँच सारे देश ने महसूस की।

ध्वन्यात्मक निकटता का दूसरा शब्द करुणा भी घृणा विषाणु के संक्रमण के कुछ समय बाद ही दिखने लगा था। जहां एक ओर गहरी साम्प्रदायिक घृणा और षडयंत्रों से उत्पन्न हिंसा का अभूतपूर्व और अप्रत्याशित तांडव दिल्ली ने देखा वहीं जगह जगह सामान्य भारतीयों की, पड़ोसियों की करुणा भी दिखाई दी। दर्जनों हिन्दुओं और मुसलमानों ने धार्मिक उन्माद का शिकार बनने से इन्कार करते हुए अपने विधर्मी पड़ोसियों, अजनबियों को शरण दी, बचाया, सहायता दी।

और अब हम देख रहे हैं कि कोरोना के आतंक ने भारत में एक नई सामाजिक एकता को खड़ा कर दिया है जहां दो सप्ताह पहले तक की आपसी शिकायतें, रंजिशें, राजनीतिक-सामाजिक-साम्प्रदायिक मतभेद अपने आप गौण हो गए हैं। भले ही यह आपदा-जन्य उत्तरजीविता का सहज मानवीय मनोविज्ञान हो लेकिन कोरोना प्रकरण ने हर दूसरी चीज और चर्चा को गौण और महत्वहीन कर दिया है।

अखबार, चौनल कोरोनामय हो गए हैं। संक्रमण जैसे जैसे बढ़ रहा है उसके बारे में चिन्ता, चर्चा और जिज्ञासाएं, आशंकाएं भी। स्वाभाविक है कि मीडिया भी अपनी कवरेज उसी अनुपात में बढ़ा रहा है। लेकिन इस भरपूर कवरेज का पूरा संदेश और चेतना अब भी सब जगह बराबर पहुंचे नहीं है। छोटे शहरों, कस्बों की क्या कहें राजधानी दिल्ली के आनंद विहार जैसे इलाकों में सड़कों, बाजारों, स्टेशनों के बाहर लगभग पहले जैसी भीड़ दिख रही है। एक के बाद एक राज्य सरकार लॉकडाउन कर रही है लेकिन टीवी तस्वीरें बताती हैं कि बहुत बड़ी संख्या में लोगों ने घर से बाहर न निकलने, मानवीय संपर्क न्यूनतम करने के बुनियादी संदेश को, सामाजिक-शारीरिक दूरी बनाए रखने की आवश्यक सावधानी को गंभीरता से नहीं लिया है। बिहार की राजधानी पटना में बसों की छतों पर बैठे ढेरों यात्रियों के दृश्य चिंताजनक हैं। जनता कर्फ्यू यों तो देश भर में लगभग सफल ही रहा लेकिन पांच बजे अपने अपने छज्जों, छतों पर स्वास्थकर्मियों का ताली-थाली बजा कर अभिनन्दन करने के उत्साह के बावजूद बड़ी, अमीर-उच्चवर्गीय सोसाइटियों, मोहल्लों में भीड़ जमा कर उत्सव मनाने के दृश्य बताते हैं कि लोग अब भी अगंभीर हैं।

इससे सरकारों ने यदि सही सबक नहीं लिया तो सारे लॉकडाउन नाकाम हो जाएंगे। आज भी सारे चौनल और अखबार मिल कर प्रत्येक शहरी नागरिक तक नहीं पहुंत रहे हैं यह कहना तो शायद गलत होगा लेकिन इतनी बड़ी संख्या में नागरिक खबरों की गंभीरता को नहीं समझ रहे हैं, लगातार बताई जा रही सावधानियों, निर्देशों का पालन नहीं कर रहे हैं यह सामूहिक मनोविज्ञान और व्यवहार की गहरी समस्याओं की ओर इंगित करता है। स्पष्ट है कि केवल टीवी चौनलों, अखबारों से काम नहीं चलने वाला। सरकारों, राजनीतिक-सामाजिक-धार्मिक संगठनों को इस युद्ध में लगाना होगा। पुलिस, अर्धसैनिक बलों, स्वास्थ्यकर्मियों की संख्या भी सीमित है, प्रभाविता भी। उनके लिए प्रत्येक नागरिक तक पहुंचना, लोगों को समझाना असंभव है। इस अब तक असाध्य महामारी से बचाव की जिम्मेदारी अकेली सरकार की नहीं है। यह समय राज्य शक्ति के साथ साथ भारत की समाज शक्ति की सक्रिय भागीदारी का भी है। राज्य और समाज की सभी ईकाईयों को इसमें इस एक युद्ध समझ कर मैदान में उतरना होगा।

यह समय है कि एक करोड़ से अधिक सदस्यों के साथ विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी होने का दावा करने वाली भाजपा, और उसके साथ सारे राजनीतिक दल अपने कार्यकर्ताओं को जमीन पर उतारें। हर सांसद, विधायक, पदाधिकारी आज उन सड़कों, मोहल्लों में दिखने चाहिए जहां जन सामान्य के व्यवहार में पर्याप्त गंभीरता और अन्तर नहीं दिख रहा है। प्रधानमंत्री सारे दलों के पदाधिकारियों की तत्काल बैठक बुला कर उनसे यह अपील करें कि वे अपनी कार्यकर्ताओं को इस काम पर लगाएं। लॉकडाउन को सफल और प्रभावी तभी बनाया जा सकता है जब स्वयं समाज और नागरिक इस काम में जुटें। एक मोहल्ले, एक सड़क, एक बाजार को पूरी तरह बंद करने के लिए भीड़ नहीं अनुशासित और समझदार, स्थानीय स्तर पर प्रामाणिक, सम्मानित और कोरोना संक्रमण के प्रभावी बचाव साधनों से सुसज्जित, प्रशिक्षित लोगों की सुगठित टुकड़ियां काफी हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अनुशासित, सक्रिय और सुगठित स्वयेंसेवकों का संसार का सबसे बड़ा और अनूठा संगठन है। हर प्राकृतिक आपदा में, युद्ध में उसके स्वयंसेवक राहत और सहायता कार्य में अग्रणी रहते आए हैं। आशा करनी चाहिए कि यह सामाजिक बल हमें जल्दी ही इस नए राष्ट्रीय शत्रु से युद्ध में भी आगे दिखाई देगा।

सामाजिक सक्रियता और सहभाग की जरूरत केवल लॉकडाउन को संपूर्ण और सफल बनाने के लिए ही जरूरी नहीं है। करोड़ों गरीबों, दिहाड़ी कमाने वालों, कामगारों, छोटे दूकानदारों पर इसकी भयानक मार पड़नी शुरु हो गई है। और ये महामारी के शुरुआती दिन ही हैं। चंद बड़ी कंपनियों की अपने हर तरह के स्थाई, अस्थाई कर्मियों को पूरा वेतन देने की घोषणाएं निश्चय ही स्वागतेय हैं लेकिन सभी व्यापारी, उद्योगपति ऐसा करेंगे यह आशा नादानी होगी। इतनी करुणा और परदुखकातर उदारता धनी वर्ग आम तौर पर बड़े स्तर पर नहीं दिखाता। लेकिन यह आम दौर नहीं है। यह आशा और उनसे अपील की जानी चाहिए कि इस असाधारण कठिन समय में वे अपने कर्माचारियों की पूरी सहायता करेंगे, यह सुनिश्चित करेंगे कि उनके लिए जीना ही दूभर न हो जाए। और केवल अपने कर्मचारियों को ही नहीं, कोरोना-पीड़ित और प्रभावित साधनहीन लोगों का भी सहारा बनेंगे।

पहले से चली आ रही आर्थिक मंदी के इस क्षण में जब समूचा व्यवसाय जगत, शेयर बाजार हाहाकार कर रहा है, रोजगार जा रहे हैं, गरीबों ओर अल्पआय वर्गों की स्थिति बेहद विकट होने वाली है। इसलिए अगर प्रत्येक समर्थ व्यक्ति और वर्ग ने इनकी मदद नहीं की, उदारता नहीं दिखाई तो यह विभीषिका स्वास्थ्य महामारी ही नहीं आर्थिक सहामारी बन कर ऐसा व्यापक विनाश करेगी कि देश और दुनिया को उबरने में बरसों लग जाएंगे। यह आर्थिक करुणा शक्ति के प्रकट होने का भी है।

इसलिए अब जब घृणा का वाइरस थमा है, कोरोना संक्रमण धीरे धीरे अप्रतिहत गति से पूरे देश को कब्जे में ले रहा है यह समय है करुणा के संक्रमण का। यह सक्रिय करुणा संक्रमण ही कोरोना को हरा सकता है।

कोरोना से डरो ना!

डॉ. वेद प्रताप वैदिक

जनता-कर्फ्यू तो सिर्फ इतवार को था, लेकिन आज सोमवार को भी वह सारे देश में लगा हुआ मालूम पड़ रहा है। मेरा घर गुड़गांव की सबसे व्यस्त सड़क गोल्फकोर्स रोड पर है लेकिन इस सड़क पर आज भी हवाइयां उड़ रही हैं। घर के पास से गुजरनेवाली रेपिड मेट्रो तो बंद ही है, सड़क पर वाहन दौड़ते हुए भी नहीं दिखाई पड़ रहे हैं। यह ठीक है कि हरयाणा सरकार ने तालाबंदी (लॉकडाउन) घोषित कर दी है लेकिन यहां न तो ताला दिखाई पड़ रहा है और न ही चाबी ! सड़क के कोने पर लगनेवाले सब्जी और फलों के ठेले तक नदारद हैं। खाने-पीने की चीजों की दुकानें भी अभी (दोपहर 12 बजे) तक बंद हैं। तालाबंदी ने जिन्हें छूट दे रखी है, वे लोग भी घर बैठे हैं। कितने डर गए हैं, हम लोग ? जो लोग दिहाड़ी मजदूरी करते हैं, यदि रोज शाम को उन्हें 200-250 रु. मजदूरी न मिले तो वे खाएंगे क्या ? ऐसे लगभग 60-70 करोड़ लोगों के लिए 10-15 दिन बाद क्या कोरोना से भी बड़ा संकट खड़ा नहीं हो जाएगा ? कारखाने और

दुकाने बंद होने से देश में आर्थिक आपात्काल आ धमकेगा। केरल और उत्तरप्रदेश की सरकारों ने उससे निपटने के कुछ कदम उठा लिए हैं लेकिन केंद्रीय तथा अन्य प्रांतीय सरकारें देरी क्यों कर रही हैं ? कोरोना के विरुद्ध हम जो सावधानियां बरत रहे हैं, वे तो ठीक हैं लेकिन सावधानियों से जो संकट खड़े होनेवाले हैं, उनके प्रति भी हम सावधान हैं या नहीं ? खाने-पीने की चीजें एक हफ्ते बाद इतनी मंहगी और कम हो जाएंगी कि देश में कहीं लूट-पाट का माहौल न बन जाए ? जिन लोगों को पढ़ने-लिखने, टीवी पर सिनेमा देखने, संगीत सुनने और घरेलू खेल खेलने का शौक नहीं है, वे घर बैठे-बैठे कहीं उदासीनता के अवसाद में न डूब जाएं ? कोरोना का डर इतना ज्यादा फैल गया है कि लोग एक-दूसरे को फोन करने में भी कोताही दिखा रहे हैं। कल मेरे पास मुश्किल से 8-10 फोन आए, जो कि रोजमर्रा की तुलना में 10 प्रतिशत भी नहीं हैं। आजकल घर बैठकर वैसा ही एकांत अनुभव हो रहा है, जैसा 60-70 साल पहले हम किन्हीं हिल स्टेशनों के जंगलों में बनी कुटियाओं में किया करते थे। आजकल स्वाध्याय और मौन-साधना का आनंद अनायास ही प्राप्त हो रहा है। लेकिन सभी लोग तो ऐसा आनंद नहीं कर सकते। वे क्या करेंगे ? वे डरे नहीं। तालाबंदी खुलने पर वे काम पर जाएं। भीड़-भड़क्के से बचें। लोगों से दूरी बनाए रखें। सावधान रहें। सरकारें भी कोरोना के राक्षस से निपटने की पूरी तैयारी रखें। अब एक साथ खड़े होकर ताली और थाली बजाना बंद करें। कहीं यह देश को मंहगा न पड़ जाए।

चाणक्य नीति

बुद्धिमान पिता का कर्तव्य है कि बच्चों को पांच वर्ष की आयु तक खूब लाड़-प्यार करें क्योंकि संतान का प्यार-दुलार से पालन करना तो माता-पिता की स्वाभाविक प्रवृत्ति होती है। 6 से 15 वर्ष की उम्र तक बुरा काम करने पर दंडित करना भी उचित है, क्योंकि यही अवस्था पढ़ने-लिखने की, सीखने और चरित्र निर्माण करने की, अच्छी प्रवृत्तियों को अपनाने की होती है। बच्चे को सोलह वर्ष में आते ही उसके संग मित्रवत् व्यवहार करके को भी बात युक्तिपूर्वक समझानी चाहिए।

एक सलाह

यकीन और उम्मीद लक्ष्य को आसान नहीं बल्कि संभव बनाते है।

काम की बात

जब भी आप कोई विकल्प चुनते है, तो आप अपना भविष्य चुनते हैं।

सुरक्षा की नई परिभाषा गढ़ता कोरोना

सी उदय भास्कर
निदेशक, सोसाइटी ऑफ पॉलिसी स्टडीज

कोविड-19 की वजह से मरने वालों की बढ़ती संख्या और उससे संबंधित सामाजिक अव्यवस्था ने वैश्विक समाज पर जो असर डाला है, वह अप्रत्याशित है। फिलवक्त 9,000 से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं और दो लाख से ज्यादा संक्रमण के मामले दर्ज हो चुके हैं। कई जन-स्वास्थ्य विशेषज्ञ मानते हैं कि संक्रमण का सबसे बुरी स्थिति में पहुंचना अभी बाकी है, आगामी कुछ महीने निर्णायक होंगे। दुनिया भर में सुनामी की तरह वायरस के सामुदायिक प्रसार के भयावह नतीजे हो सकते हैं। यही कारण है, पूरी कड़ाई से आइसोलेशन के उपायों व प्रभावी जांच प्रोटोकॉल लागू करना जरूरी हो गया है।

इसके आर्थिक नतीजे वैश्विक मंदी और शेयर बाजारों को प्रभावित कर रहे हैं। सुरक्षा तंत्र और राजनीति पर भी कोरोना का प्रभाव पड़ रहा है। कोरोना के साथ जीवन के तमाम महत्वपूर्ण पक्ष बड़े मूलभूत बदलावों से गुजर रहे हैं। बेशक, यह महामारी वैश्विक राजनीति को फिर बदलेगी और भारत पर भी असर डालेगी।

आज यह याद किया जा सकता है कि पूर्व सोवियत नेता मिखाइल गोर्बाचेव ने अपनी पुस्तक पेरेस्त्रोइका (1987) में शीत युद्ध की चरम स्थिति पर चेतावनी देते हुए कहा था कि 'नई राजनीतिक दृष्टि एक आम सिद्धांत को मान्यता देने की पैरोकारी करती है कि सुरक्षा अविभाज्य है। यहां या तो सभी के लिए समान सुरक्षा है या किसी के लिए भी नहीं'। हालांकि उस समय प्राथमिक ध्यान परमाणु हथियारों पर था और एक हद तक आतंकवाद पर भी, लेकिन समग्रता में गोर्बाचेव का कथन आज वैश्विक स्वास्थ्य संकट के समय पुरजोर और साफगूंज रहा है।

सुरक्षा की जो अवधारणा शीत युद्ध के दशकों में बड़े पैमाने पर जन संहारक हथियारों (डब्ल्यूएमडी) के समानांतर तैयार की गई थी, वह 9द11 की भयावहता के बाद जल्द ही डब्ल्यूएमडी-आतंकवाद गठबंधन के संदर्भ में बदल गई। इसी के तहत सैन्य प्रभाव के साथ कड़ी सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई थी। किसी महामारी के खतरे और मानव सुरक्षा पर इसके प्रभाव को गैर-पारंपरिक सुरक्षा मुद्दों की टोकरी के हवाले कर दिया गया था। नीतिगत प्राथमिकता की दृष्टि से भी महामारी के लिए धन जुटाने और महामारी से लड़ने की क्षमता निर्मित करने पर कम ध्यान दिया गया था।

अब राष्ट्रीय सुरक्षा की अवधारणा को विस्तार देने और दुरुस्त करने के लिए कोविड-19 ने हमें जो तजुर्बे दिए हैं, वे समग्र रूप से समावेशी हैं और मानव सुरक्षा के मसले को और व्यापक बना रहे हैं। मानव सुरक्षा एक बहुपक्षीय और श्रेणीबद्ध अवधारणा है। व्यक्तिगत आनुवंशिकी, सामाजिक आर्थिक स्थिति, पोषण स्तर और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र सहित अनेक कारक मानव सुरक्षा को आकार देते हैं। तजुर्बों और अमीर-गरीब के बीच स्पष्ट विभाजन से पता चलता है कि 21वीं सदी में कट्टरपंथी राजनीतिक विकास के बावजूद सभी मानव समान रूप से सुरक्षित नहीं हैं।

20वीं शताब्दी में वैश्विक सुरक्षा पर सैन्य विचार और क्षेत्रीयता हावी थी, क्योंकि उस समय की प्रमुख शक्तियां इसी राह पर चली थीं। 20 साल के अंतराल में हुए दो विश्व युद्ध इंसानों द्वारा चुकाई गई भारी कीमत की दुखद गवाही देते हैं। इन दो विश्व युद्ध में नौ करोड़ से अधिक लोगों की जान गई थी।

हिरोशिमा-नागासाकी की त्रासदी की पृष्ठभूमि में द्वितीय विश्व युद्ध का अंत और परमाणु युग का जन्म हुआ था। दुनिया के मुख्य किरदारों के लिए राजनीतिक परिदृश्य बदल गए थे। जो पारंपरिक शत्रु थे, वे परस्पर होशियार भागीदार बन गए, जैसे जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन साथ आ गए थे। वे अमेरिका के नेतृत्व में सैन्य सहयोगी बन गए थे। दूसरी ओर, बदलते परिदृश्य ने युद्ध में सहयोगी रहे अमेरिका और सोवियत संघ को युद्ध के बाद परस्पर रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी में बदल दिया। तकनीकी रणनीतिक असुरक्षा उसी गति से बढ़ती गई, जिस गति से प्रतिद्वंद्वी देशों को घातक परमाणु हथियार हासिल होते गए। इस असुरक्षा को बहुत तेजी से स्वीकार किया गया और योजनाकारों ने लाखों की तादाद में इंसानों के मारे जाने का खतरा भी बता दिया।

1965 में तत्कालीन अमेरिकी रक्षा सचिव रॉबर्ट मैकनामारा ने प्रतिकूल (सोवियत संघ) को नष्ट करने का आश्वासन दिया था। यहां तक कि प्रतिकूल समाज के 10 करोड़ लोगों को ठिकाने लगाने या खत्म करने क्षमता की चर्चा हुई थी। कहा गया था कि समाधान इस बात पर निर्भर करेगा कि हम प्रतिकूल समाज को नष्ट करने में कितने सक्षम हैं।

शुक्र है, परमाणु युद्ध नहीं हुआ, लेकिन परमाणु हथियार की तकनीकी-रणनीतिक प्रोफाइल ने भू-राजनीति को हमेशा के लिए बदल दिया। तब गोर्बाचेव ने सुरक्षा के परस्पर जुड़े सिद्धांत पर भरोसा किया था और पेरेस्त्रोइका को सामने रखा था, जिसकी कीमत उन्हें और सोवियत संघ को बाद में चुकानी पड़ी। फिर भी आज वाशिंगटन और मास्को, परस्पर सजग प्रतिद्वंद्वी बने हुए हैं। घातक परमाणु हथियारों की मौजूदगी दोनों देशों के बीच आज भी बाधा बनी हुई है, इसके साथ ही, दुनिया की समकालीन राजनीति और सुरक्षा के लिए चुनौती भी कायम है।

आज कोरोना वायरस की चुनौती से निपटने के लिए खास क्षेत्रीय राजनीतिक सक्रियता आई है। दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) के बीच संवाद की भारतीय पहल सराहनीय है, लेकिन इस संवाद में मुख्य रूप से पाकिस्तान की प्रतिक्रिया को देखा जा सकता है। उसने यहां भी एक द्विपक्षीय मुद्दे (कश्मीर) को उठा दिया। साफहै कि जब मानव सुरक्षा पर एक बड़ा खतरा मंडरा रहा है, तब भी पाकिस्तान अपनी राजनीतिक मजबूरी को ही प्राथमिकता दे रहा है।

इतिहास के लंबे दौर में महामारियों की वजह से कई दुखद पड़ाव आए हैं, जब हजारों से लाखों लोगों की मौत हुई है। सार्क और वृहद दक्षिणी एशियाई क्षेत्र, जिसमें ईरान भी शामिल है, के लिए तत्काल चुनौती खड़ी हो गई है। आज पूरे क्षेत्र में राष्ट्रीय सुरक्षा को समावेशी तरीके से समझना होगा और सैन्य आयाम व वैचारिक संकीर्णता की बाधा को पार करना होगा। जरूरी है, निहित क्षेत्रीयता अब मानवीय सुरक्षा की प्राथमिकता को स्वीकार करे और गोर्बाचेव के संदेश को दुनिया भर में फैला देना चाहिए कि अब सुरक्षा पहले से कहीं अधिक अविभाज्य है। कोरोना वायरस की चुनौती को वैश्विक सुरक्षा चुनौती के रूप में देखना चाहिए और इस महामारी के खिलाफ सामूहिक दृष्टि विकसित करने की नवजात भारतीय पहल को बनाए रखना चाहिए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

क्रोध छोड़ें, प्रेम करें और अपनी दुनिया को सुंदर बनाएं

प्रतिदिन, हम अनेक परिस्थितियों में होते हैं, जिनसे क्रोध भड़क सकता है। जब कोई हमें चोट पहुंचाता है, तो हम क्रोधित होते है। दूसरों को चोट पहुंचते हुए देखकर हमें क्रोध आ जाता है। हमें सामाजिक अन्याय के मामले भी मिल सकते हैं, जिनमें समाज में व्यक्तियों का एक समूह अन्याय सह रहा होता है। इन सभी मामलों में हमें लग सकता है कि कुछ गलत हो रहा है। हो सकता है कि जो कुछ घट रहा है, उसे हम अनदेखा न कर पाए। फर्क इस बात में है कि हम अन्याय के प्रति किस प्रकार प्रतिक्रिया करते हैं? हम फैसला करने की क्षमता रखते हैं। हम क्रोध से प्रतिक्रिया कर सकते हैं या हम क्रोध को काबू कर, उसे प्रेम में बदल सकते हैं। हम क्रोध की आग को प्रेम से शांत कर सकते है। झगड़े के दौरान, क्रोध भरी आवाज में बोलने के बजाय, हमें मिठास का मरहम लगाना चाहिए।

वातावरण में क्रोध-भरे विचारों को बढ़ावा देने के बजाय, हम प्रेम-भरे विचारों को प्रसारित करें, ताकि वातावरण साफ हो जाए। ऐसी प्रतिक्रिया हमें क्षीण, शक्तिहीन कर देती है, पर अगर हम अपनी ऊर्जा प्रेममयी प्रतिक्रिया में लगाएंगे, तो उससे न सिर्फ हम परिस्थिति में समन्वय ले आएंगे, बल्कि हम स्वयं भी उस प्रेम से ऊर्जा पाएंगे। जब हम प्रेम से व्यवहार करते हैं, तो हम दरवाजे को खोलते हैं, ताकि प्रभु-प्रेम हममें से प्रवाहित हो। हम प्रभु-प्रेम से ऊर्जा और उभार पाते हैं। अगली बार जब हम अपने आपको ऐसे माहौल में पाएं, जहां अन्याय हो रहा हो तो क्रोध की बजाय, प्रेम से प्रतिक्रिया करने की कोशिश करें। हम अपनी सकारात्मक प्रतिक्रिया का, उस माहौल पर और अपने आप पर हुए असर को देख सकते हैं। संसार में बहुत क्रोध विद्यमान है। आओ, हम क्रोध को प्रेम में बदल दें।

न्यूज ब्रीफ

जनता कर्फ्यू में कुंदनपुर रहा बंद

माही की गूंज, कुन्दनपुर। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनता कर्फ्यू का पालन कुन्दनपुर में भी देखने को मिला। ग्रामीण जन अपने-अपने घरों के अंदर रह रहे हैं। पूर्ण तरह से बाजार दुकान बंद हुए सड़कों पर सन्नाटा छाया रहा। कोरोना वायरस से बचने के लिए ग्रामीण जन मुंह पर मार्क्स लगे हुए दिखाई दे रहे हैं। देश के प्रधानमंत्री राष्ट्र के नाम संदेश दिया था कि 22 मार्च रविवार के दिन सुबह 7रू00 बजे से रात्रि 9रू00 बजे तक जनता कर्फ्यू का आह्वान किया गया था। जिसका ग्रामीण जनों ने उसका पालन किया। वहीं इस बीमारी से बचने के लिए सतर्कता करते हुए दिखाई दे रहे हैं, क्योंकि हम स्वस्थ रहेंगे तो जग स्वस्थ रहेगा। ग्रामीण जन अपने अपने घरों पर अपने-अपने इष्ट देव से प्रार्थना कर रहे हैं कि इस बीमारी का खत्मा हो, साथ ही नगर में कई घरों में कोराना से पीड़ित जो जिंदगी और मौत के बीच लड़ाई लड़ रहे हैं वह जल्द से जल्द ठीक हो।

मास्क पहन कर पुलिस ने की चालानी कार्रवाई

माही की गूंज, खच्चरटोडी। मेघनगर-रंभापुर रोड पर 21 मार्च को ट्रेफिक और पुलिसकर्मियों ने कोरोना(कोविट) वायरस से बचाव के लिए सावधानी बरते हुए मास्क पहनकर चालानी कार्रवाई की। इसका मकसद वायरस के संक्रमण से बचना और ग्रामीणों को मास्क पहने के लिए हिदायत देना था।

कोरोना पर ग्रामीणों में दिखी जागरुकता, 29 मार्च को होने वाला विवाह टाला

माही की गूंज, थांदला। कोरोना संकट की गंभीरता को अंचल के ग्रामीण भी भली-भांति समझने लगे हैं । अंचल में अभी शादियों का जमकर माहौल चल रहा है। जिस कारण बड़ी संख्या में ग्रामीण शादी समारोह में सम्मिलित हो रहे थे। साथ ही शादी हेतु होने वाले आयोजनों के लिए बाजार की ओर भी रुक कर रहे थे। ऐसे में अचानक से गहराया कोरोना का विश्वव्यापी संकट और उस संकट से निपटने के लिए सामाजिक मेलजोल बढ़ाने वाले समस्त आयोजनों का स्थगित किया जा रहा है।, साथ ही इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए जन जन तक जागरूकता फैलाना अति आवश्यक हो गया था। जिसे देखते हुए शहर वासियों ने तो अपने कई शादी समारोह व अन्य आयोजनों को निरस्त कर दिया साथ ही अब जन जागरूकता समाज के हर एक तबके तक पहुंच चुकी है।

जिसका सीधा उदाहरण थांदला अंचल के ग्राम झापादरा में देखने को मिला। खुमा मल्ला चरपोटा जिन की पुत्री मल्ली की शादी ग्राम जमुडी सुरमल रेवचंद मैड़ा के साथ 29 मार्च को होने जा रही थी। परंतु एसडीओपी एमएस गवली व ग्राम पंचायत झापादरा के सरपंच बालू चरपोटा एवं युवा नेता रुस्तम सिंह चरपोटा की समझाइश पर समस्त परिजनों के द्वारा निर्णय लिया गया कि विवाह को अभी स्थगित कर आगामी दिनों में स्थिति सामान्य होने पर किया जाएगा। पंचायत के समस्त ग्रामीण जनों ने खुमा चरपोटा के इस निर्णय की प्रशंसा की व जनहित में लिए गए इस निर्णय पर परिवारजनों का अभिवादन किया। साथ ही समस्त आदिवासी समाज एवं अंचल के समस्त ग्रामीण जनों से निवेदन भी किया है कि इस गंभीर बीमारी से लड़ने के लिए वह भी अपने ऐसे आयोजनों को आगामी तारीख तक स्थगित करें।

मप्र में भाजपा की सरकार बनने की खुशी में की आतिशबाजी

माही की गूंज, थांदला। भारतीय जनता पार्टी के थांदला विधानसभा के सभी कार्यकर्ताओं ने नगर के स्थानीय आजाद चौक पर सरकार के राजनीतिक उठापटक को लेकर भाजपा की बहुमत की जीत को लेकर सभी ने आतिशबाजी कर खुशी मनाई। साथ ही सभी कार्यकर्ताओं ने कोरोना वायरस से बचाव के लिए मास्क भी वितरित करते हुए जनता कर्फ्यू में सहयोग की अपील भी की। पूर्व विधायक कलसिंह भाबर के साथ नगर में व्यापारी प्रकोष्ठ के अनिल भंसाली, पिछड़ा मोर्चा जिलाध्यक्ष मुकेश मेहता, पूर्व मंडल अध्यक्ष नटवर पवार, मंडल महामंत्री सुरेश राठौर, मंडल उपाध्यक्ष राकेश सोनी, जिला खेल प्रकोष्ठ से समर्थ उपाध्याय, भाजयुमो जिला महामंत्री संजय भाबर, राजेश वैध, विपुल आचार्य, राहुल पांचाल, रोहित बैरागी, पंकज राठौर, मनीष वाघेला, दिलीप डामोर, लालचंद देवल, शांतु बारिया, अर्जुन मईड़ा, केशव डामोर, कोमल भाबर, भगतसिंह डामोर, सक्कु डामोर, अकलेश कटारा, सब्बू डामोर, खुशाल सिंगाड, बसु मईड़ा, अकलेश रावत, दिनेश चारेल, रमेश कटारा, दुल्ला भूरिया, मांगू डामोर, संतोष डामोर, दीतमाल कटारा, देवचंद गणावा, नाथू निनामा, तेरसिंह पारगी, बाबू चौहान, तगा सिंगाडिया,सोमेश भूरिया, वासना भूरिया, सोहन परमार, प्रेमसिंह मुणिया, सुरेश बिलवाल, अक्षय पाटीदार, दीपक राठौर, मुकेश पांचाल, प्रकाश डामोर, आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

खच्चरटोड़ी में स्वीकृत 72 लाख की नलजल योजना की हालत खराब

अधूरा काम होने के कारण ग्राम पंचायत में उत्पन्न हुआ पेयजल संकट

माही की गूंज, खच्चरटोड़ी। विकास साबलिया

मेघनगर जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत खच्चरटोडी के ग्रामीण जलसंकट के कारण परेशानी उठा रहे हैं। गांव के लिए स्वीकृत हुई 72 लाख की मुख्यमंत्री नल-जल योजना के हाल बेहद खराब हैं। लिहाजा योजना के तहत मिलने वाला पानी ग्राम पंचायत के कई फलियों तक नहीं पहुंच पा रहा है। इससे ग्रामीणों में आक्रोश है।

ग्राम पंचायत की जनता को पर्याप्त पानी मिल सके। इसके लिये शासन ने 72 लाख की मुख्यमंत्री नल जल योजना स्वीकृत की। योजना के तहत काम करने का टेण्डर सुरत (गुजरात) के ठेकेदार का था। योजना के तहत ठेकेदार ने 12 मीटर उंची 50 हजार लीटर की क्षमता वाली टंकी एवं करीबन 4 किलोमीटर पाइपलाईन डाली। जिसमें ठेकेदार द्वारा जमकर भ्रष्टाचार एवं अनियमितताएं कि गई। ठेकेदार ने काम आधा अधुरा किया जिसके कारण ग्रामीणों को पेयजल सकंट से गुजरना पड रहा है।

ठेकेदार द्वारा किये गये भ्रष्टाचार ओर ग्रामीणों की समस्या को गूंज मे पिछले अकं में प्रकाशित किया था। उसके बाद भी पीएचई विभाग सुंध नही ले रही है जिससे स्पष्ट एवं साफहै की ठेकेदार को पीएचई विभाग का संरक्षण मिल रहा है। आज भी ग्राम पंचायत के कई फलियों मे ठेकेदार द्वारा पानी सप्लाई नही किया जा रहा है। वही समाचार प्रकाशित होने के बाद पीएचई विभाग के इजिनियर यह दावा कर रहे की पुरी ग्राम पंचायत में पानी दिया जा रहा है किसी प्रकार का कोई भ्रष्टाचार नही किया गया है। ओर पाइपलाइन डालने के लिये किये गये रोड को भी रिपेयर कराया गया है। लेकिन गूंज के प्रतिनिधि ने जब नलजल योजना का रियलिटी चेक करने के लिए ग्राम

पंचायत के कई फलियों में गये तो ग्रामीणों ने समस्या से अवगत कराया। की ठेकेदार ने पाइपलाइन डालने के लिये खोदी गई रोड को रिपेयर नही किया गया न ही पानी दिया जा रहा है। रोड रिपेयर नही होने से निकलने वाले वाहनो के कारण गांव में धुल उठ रही है।

नाईटोडी के ग्रामीणों ने बताया की ठेकेदार ने मार्च 2019 मे पाइपलाइन तो डाल दी थी लेकिन तब से आज तक न तो पानी सप्लाई किया गया न ही ठेकेदार द्वारा खोदी गई सड़क को रिपेयर किया गया। यही हालात मालहात

फलियें की है यहा के रहवासीयों ने बताया की लाईन तो डाल दी थी लेकिन पानी आज तक नही दिया गया।कुछ घरों में तो नल भी अभी तक नही लगाये गये। नया गावंखालसा की स्थिति भी यही है। यहा पर भी एक बार भी ठेकेदार ने पानी नही सप्लाई किया। वही रम्भापुर रोड पर स्थित तीन घरों को पेयजल देने के लिये शासन ने एक किलोमीटर पाइप लाइन डालने की स्वीक्रती दी। लाईन तो डाल दी गई लेकिन आजतक वहा पर भी पानी नही दिया गया। मात्र तीन गावों मे पानी सप्लाई कर इतिश्री की जा रही है ताकी मेटंनेस के रुप में मिलने वाली 3 लाख से ज्यादा की राशि प्राप्त की जा सके। वही ठेकेदार ने पुर्णता प्रमाण पत्र पाने के लिये कार्यपालन यंत्री ,झाबुआ को जनवरी 2019 में लिखित पत्र देकर गलत जानकारी दी गई की ग्राम पंचायत खच्चरटोडी में नलजलयोजना के तहत पानी सुचारु रुप से दिया जा रहा है । जबकी यह गलत जानकारी दी। क्योकी उस समय ठेकेदार द्वारा कही पर भी पानी सप्लाई नही किया जा रहा था। जिसका खुलासा आरटीआई से हुआ

ट्युबवेल का मुंह खुला छोड़ा

पीएचई विभाग ने पानी की समस्या को दुर करने के लिये ग्राम पंचायत खच्चरटोडी में दो ट्रयुबवेल खनन कराये । लेकिन अभी तक इसमे न तो मोटर डाली गई न ही इसे पेयजल टंकी से पाइपलाईन सेजोडा गया है। ताकी पेयजलसमस्या से थोडी निजात मिल सके । नया गाँव जागीर मे किया गया ट्युबवेल का मुहं अभी भी खुला पड़ा। जिसकी सुध नही ली जा रही है। यदि कोई सरारती व्यक्ति इसमें पत्थर डाल जाये तो शासन का नुकसान होना तय है।

यह करना था

- ठेकेदार द्वारा बिछाई गई पाइपलाइन जमीन लेवल पर न डालते हुए गहराई में डालना था ताकी पाइपलाईन क्षतिग्रस्त ना हो।
- ठेकेदार द्वारा पाइपलाइन के लिये खोदी गई सड़क को रिपेयर करना था ताकी धुल गांव मे न उठे।
- ठेकेदार को हर नल तक पानी पहुचाने के बाद कार्यपुर्णता प्रमाण पत्र की मांग करनी थी।

यह है स्थिति

- ठेकेदार द्वारा बिछाई गई पाइपलाइन जमीन लेवल पर ही डाल दी गई जिससे पाइपलाईन कई जगह से क्षतिग्रस्त हो गई।
- ठेकेदार ने लाइन डालने के लिये तोड़ी गई सड़क को रिपेयर नही किया । जिससे धुल गांव मे उठे रही है ।
- ठेकेदार ने हर नल तक पानी सप्लाई नही किया इसके बावजुद कार्यपुर्णत प्रमाण पत्र की मांग जनवरी 2019मे कर दी।

ट्यूबवेल में नई मोटर नहीं डाल रही ग्राम पंचायत

ग्राम पंचायत खच्चरटोडी के मालहात फलिये में स्थित शासकीय ट्यूबवेल की सुध ग्राम पंचायत नहीं ले रही है। जिसका खामियाजा लोगों को उठाना पड रहा है। इस शासकीय ट्यूबवेल से कई वर्षों से गांव में पानी सप्लाई किया जाता था। लेकिन एक वर्ष पूर्व मोटर खराब हो गई। बावजूद इसके ग्राम पंचायत ने अभी तक इस शासकीय ट्यूबवेल में नई मोटर नहीं डाली है। जब भी ग्राम पंचायत की ग्रामसभा होती है। मालहात फलिये के लोग पेयजल संकट से मुक्ति पाने हेतु इस ट्युबवेल को चालू करवाने की मांग करते है। फलिये के लोगों का आरोप है कि जब भी सरपंच और सचिव को इस समस्या से अवगत कराते है सिर्फ झूठा आश्वासन दिया गया कि मोटर डलवाई जाएगी। लेकिन एक वर्ष बाद भी पंचायत के जिम्मेदारों ने इस ट्यूबवेल की सुध नहीं ली। फलिये के लोगो का कहना है कि हम पेयजल समस्या से ग्रस्त है। यदि अब ट्युबवेल को चालू नहीं करवाते हैं, तो जनसुनवाई में शिकायत करेंगे। ताकि हमारी समस्या का समाधान हो सके। बता दे कि ग्राम पंचायत खच्चरटोडी में स्वीकृत 72 लाख की मुख्यमंत्री नल जल योजना के तहत इस फलियें में ठेकेदार ने एक वर्ष पूर्व पाइप लाईन डाल दी थी, लेकिन ठेकेदार की लापरवाही और किए गए भ्रष्टाचार के कारण इस फलियें में पानी सप्लाई की तो दूर की बात है, अभी तक नल नहीं लगाए गए हैं। पीएचई विभाग और ग्राम पंचायत खच्चरटोडी की लापरवाही व उदासीनता के कारण इस फलियें में पेयजल संकट उत्पन्न हुआ है।

लॉक डाउन के बाद भी बिना किसी कारण से आने वालों पर पुलिस ने चलाए डंडे

माही की गूंज, कल्याणपुरा। ग्रामीणों में कहीं न कहीं कोरोना वायरस के संक्रमण का डर नहीं दिखाई दे रहा है। वैसे तो 22 मार्च के जनता कर्फ्यू के बाद से कल्याणपुरा लॉक डाउन होने के बाद भी क्षेत्र से कई ग्रामीणों का बिना किसी कारण कल्याणपुरा में आना जाना बंद नहीं हुआ था। प्रधानमंत्री के 21 दिन के लॉक डाउन के आदेश के बाद भी बुधवार को ग्रामीण बिना की विशेष कार्य के ग्राम में दिखाई दिए। जिस पर पुलिस ने एहतियात के तौर पर 2 पहिया, 4 पहिया वाहन हो या जो पैदल आए सभी से ग्राम में आने का कारण पूछा। संतोषप्रद कारण नहीं बताने वालों पर पुलिस ने डंडे चलाए, ताकि यह नजारा देख दूसरा भी कोई बिना काम से घर से बाहर नहीं निकले। स्थानीय निवासियों को भी पुलिस ने सहयोग करने व घर से बाहर बिना विशेष कारण से बाहर नहीं निकलने ही सख्त हिदायत दी गई है।

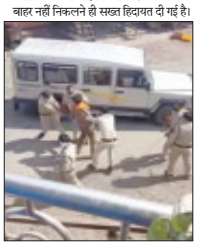

चौत्र नवरात्र में निकलने वाली प्रभात फेरी कोरोना के प्रकोप के चलते निरस्त

माही की गूंज, थांदला। नगर में पिछले 19 वर्षों से निरंतर युवा रामायण मंडल के द्वारा चौत्र नवरात्र के पावन पर्व पर प्रातः 5.30 बजे से नगर में निकाले जाने वाली प्रभात फेरी इस वर्ष कोरोना वायरस के प्रकोप के चलते नहीं निकाली जाएगी। रामायण मंडल के कमलेश नागर ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि पूरे देश व पूरे विश्व में कोरोना वायरस का प्रकोप लगातार जारी है। जिसके चलते शासन-प्रशासन द्वारा नगर में कर्फ्यू का निवेदन आम नागरिकों से किया गया है। इसी के मद्देनजर रामायण मंडल एवं युवा रामायण मंडल के सदस्यों द्वारा यह निर्णय लिया गया कि प्रतिवर्ष अनुसार निकाले जाने वाली संगीतमय प्रभात फेरी तथा बड़े रामजी मंदिर पर वितरित किये जाने वाला नीम शर्बत भी इस वर्ष निरस्त रखा जाए तथा भगवान से प्रार्थना की जाए कि पूरे विश्व को इस महामारी से निजात पाने की शक्ति प्रदान करें। रामायण मण्डल ने लोगों से प्रशासन को सहयोग देते हुए घरों में ही रहने की अपील की है।

लॉक डाउन के तहत प्रशासन हुआ सख्त

माही की गूंज ,सारंगी।

कोरोना वायरस की महामारी के मद्देनजर पुलिस प्रशासन ने थोड़ा सख्त रवैया अख्तियार कर लिया है। इस दौरान पुलिस सुबह से लेकर शाम व फिर देर रात तक अपनी ड्यूटी दे रही है। इस दौरान पुलिस कर्मी स्टेट हाइवे 18 थांदला-बदनावर मार्ग पर मंगलवार को दिनभर डटे रहे तथा इस दौरान जो भी ग्रामीण या अन्य राहगीर बाइक से पहुंच रहे हैं, चौकी प्रभारी श्याम कुमावत के नेतृत्व पुलिस उन्हें समझा रही है कि वे मास्क पहनने तथा बाइक से कहीं भी आना-जाना नहीं करें। साथ ही जो व्यक्ति जबरन आने-जाने का प्रयास कर रहे हैं रोककर हल्का बल प्रयोग भी कर रही है। तथा कुछ लोगों को उठक-बैठक भी लगवाई। पुलिस चौकी प्रभारी श्याम कुमावत ने ग्रामीणों को नसीहत देते हुए कहा कि लोग महामारी से बचने के लिए अपने घरों में रहे तथा आवश्यक कार्य हो तो ही घरों से निकले व मास्क, ग्लाब्स व सेनेटाइजर का प्रयोग करे तथा बार-बार हाथों को धोए तथा अपने व अपने परिवार का पूरा ख्याल रखे खासकर बच्चों को भी बाहर नहीं निकलने दें।वहीं कस्बे के व्यापारियों व आम नागरिकों का भी पुलिस प्रशासन को जमकर सहयोग मिल रहा है पिछले तीन दिनों से कस्बे में लॉक डाउन है और लोग घरों में दुबके बैठे है।

थाली बजाकर लोगों ने एकजुटता का दिया परिचय

माही की गूंज, सारंगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक अपील से दिनभर सन्नाटे में रहा रविवार को शाम पांच बजते ही थाली, कटोरी, चम्मच, ताली और शंखनाद की आवाज से गूंज उठा। शाम पांच बजे चिकित्सक, नर्स, पुलिस, खाद्य आपूर्ति, पत्रकार समेत कोरोना के संकट के बीच अपना फर्ज में जुटे लोगों के लिए पूरा देश एक साथ खड़ा हो गया। पांच बजकर पांच मिनट पर जब पूरे शहर में टनटन की आवाज सुनी, तो एक अलग की भावनाएं जाग उठी। सोचने लगा, कमाल का देश है। कमाल के लोग। हममें लाख बुराई होगी, हम आपस लड़ते होंगे। झगडते होंगे, आपस में दुश्मनी रखते होंगे, लेकिन जब देश या देशवासी संकट में होते हैं तो पूरा देश एक मुट्?ठी बनकर अपनी ताकत का इजहार करता है। वो देश की सेना हो या देशवासियों की जान बचाने वाले डॉक्टर व नर्सिंग स्टाफया लोगों को पल पल की खबर देने वाले पत्रकार। सभी के लिए लोगों ने आभार जताया। पूरे सारंगी नगर में हर घर से थाली कटोरी की आवाज आ रही थी। कोई घड़ियाल बजा रहा था। कोई शंख बजा रहा था। चारों तरफसे ध्वनि सुनाई दे रही थी। जो निश्चित ही कोरोना महामारी से लड़ने का हमारा जज्बा प्रदर्शित कर रही थी।

विश्वमंगल हनुमान तारखेड़ी के दर्शन भी अगले आदेश तक बंद

माही की गूंज, पेटलावद। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जनता कर्फ्यू (कोराना अलर्ट) का पालन तारखेडी धाम में भी देखने को मिला। ग्रामीण जन अपने-अपनें घरों के अंदर रहे। पूर्ण तरह से बाजार दुकान बंद हुए। सड़कों पर सन्नाटा छाया रहा। कोरोना वायरस से बचने के लिए ग्रामीण जन मुंह पर मार्क्स लगे हुए दिखाई दे रहे हैं। कोरोना वायरस को लेकर केंद्र और राज्य सरकार दोनों गंभीर है। जिसको लेकर आम नागरिक को अपनी जिम्मेदारी लेनी होगी तभी जाकर कोरोना वायरस जैसी घातक महामारी से निपटा जा सकता है। इसी को लेकर प्रसिद्ध विश्वमंगल हनुमान तारखेड़ी मंदिर के दर्शन भी आगामी आदेश तक बंद रखे गए हैं।

जनता कर्फ्यू और लॉक डाउन का नागरिकों व व्यापारियों का मिला पूर्ण समर्थन

माही की गूंज, थांदला।

कोरोना वायरस की गंभीरता को देखते हुए जनता कर्फ्यू के आह्वान को समर्थन देते हुए नगर के समस्त व्यापारियों व आम जनों ने इसका पालन किया। नगर के अतिव्यस्ततम मार्ग जहां घण्टों जाम जैसी स्थिति में लोगों का निकलना तक दुभर हो जाता था। वहां एमजी रोड़, आजाद चौक, पिपली चौराहा, अस्पताल चौराहा पिकले 4 दिनों से पूरी तरह से बंद व वीरान नजर आ रहे हैं। यही स्थिति मुख्य बस स्टैंड, बेड़ावा बस स्टैंड की भी रही पूरी तरह से बस सेवाएं बन्द होने के कारण यहां एक भी यात्री नजर नहीं आया। ऐसा ही कुछ हाल बायपास रोड़ का भी देखने को मिल रहा है। इस मार्ग पर एक भी निजी वाहन, ट्रक, डम्पर आदि की आवाजाही नहीं दिखाई दे रही है। यही हाल ऋतुराज कॉलोनी, संजय कॉलोनी, इंद्रपुरी आदि सभी कॉलोनियों की भी है। नगर के सभी देवालय भी बंद है। नगर में रहनेवाले रहवासियों ने अपने आप को लॉक डाउन कर अपनी संकल्प शक्ति का परिचय दिया। अनेक घरों में आज पारिवारिक माहौल भी देखने को मिला। परिवार की चार चार पीढियां एक साथ दिखाई दी। मेडिकल आदि सुविधाएं आंशिक खुली रही, जबकि नगर के पत्रकारों ने हर गली मोहल्लों में घूमकर स्थिति का जायजा भी लिया गया व उनके द्वारा यथा योग्य व समझाइश नगरीयजनों व प्रशासन को भी दी गई। शाम पांच बजे भी चारों तरफसन्नाटा पसरा रहा। वहीं सभी ने आभार स्वरूप ताली, थाली घण्टी आदि नाद कर कोरोना वायरस संक्रमण से मुक्ति की ईश्वर से प्रार्थना की।

नगर परिषद ने पूरे नगर में करवाया दवाई का छिड़काव

नगर परिषद ने भी कोरोना वायरस को लेकर गम्भीरता दिखाते हुए मंगलवार को लगने वाला साप्ताहिक हाट निरस्त कर दिया। वही नगर परिषद अध्यक्ष बन्टी डामोर, उपाध्यक्ष मनीष बघेल, नेता प्रतिपक्ष लक्ष्मण राठौड़, वार्ड पार्षद समर्थ उपाध्याय (गोलू), रोहित वैरागी (भैय्यू), कादर शेख, आनंद राठौड़, राजेश जैन, विकास रावत आदि के साथ नगर परिषद के कर्मचारी स्वास्थ्य निरीक्षक गौरांकसिंह, दरोगा टिटिया भाई, यशदीप अरोड़ा, शब्बीर बोहरा, फायर पायलेट मेहबूब खान सहित अनेक सफाई कर्मचारियों ने मिलकर नगर के शासकीय अस्पताल, मेडिकल क्लीनिक, नगर के अधिकांश गली मोहल्लों की सफाई करते हुए दवाई का छिड़काव किया व धुंआ छोड़ा गया। नगरपरिषद सीएमओ आशोक चौहान ने बताया कि नगर में कोरोना वायरस आदि संक्रमण से बचाव के लिये अलग तरह का स्ट्रांग फिनाइल मंगवाया गया है जिसका छिड़काव लगातार नगर में किया जाएगा।

बंद को मध्य नजर रखते हुए युवाओं ने हॉस्पिटल में गंभीर बीमार व भर्ती मरीजों को खाना फल व दूध का वितरण किया गया। गोलू उपाध्याय, प्रशांत उपाध्याय, भोला चौहान, विजय मिस्त्री ,अजय सेठिया, अर्पित जैन सहित कुछ युवाओं ने बंद के कारण सभी आवश्यक स्थानों के बंद होने से मरीजों के लिए आवश्यक सामग्री का भी प्रबंध युवाओं की टीम द्वारा किया गया

स्वंयसेवकों ने जरूरतमंदों को बांटा भोजन

थांदला में इस विपरीत परिस्थिति में कोई भूखा न रहें। इसलिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने बावड़ी मंदिर पर भोजन के पैकेट तैयार करवाकर जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाएं। साथ ही ट्रकों के ड्रायवरों की पूछ परख कर उन्हें भी भोजन उपलब्ध कराया।

हौंसला बढ़ाने पुलिसकर्मियों का छोटे बच्चों ने किया अभिवादन

माही की गूंज, रायपुरिया। कोरोना वायरस को लेकर जहां पूरे देश में हाहाकार मचा हुआ है। पूरा देश लॉक डाउन की स्थिति को झेल रहा है। ऐसी स्थिति में भी हमारे रक्षक बनकर हमेशा तैयार रहने वाले पुलिसकर्मी पूरी मुस्तैदी के साथ लॉक डाउन को सफल बनाने के लिए दिन-रात घूमकर लोगों को समझाइश दे रहे हैं। ऐसे में पुलिस का अभिवादन करते हुए छोटे बच्चो की तस्वीर सामने आई है। जिसमें लॉक डाउन के दौरान ग्राम रायपुरिया में पुलिस का छोटे-छोटे मासूम बच्चों ने अभिवादन किया है। रायपुरिया निवासी रिद्धि-सिद्धि, हनी कुशवाह एवं राज राठौर, वीरा राठौर सहित कई अन्य बच्चों ने रायपुरिया में अपनी ड्यूटी निभा रहे जाबांज पुलिस कर्मियों को फल-फ्रूट एवं ठंडा पानी पिलाकर एवं धन्यवाद देकर छोटे बच्चों ने अभिवादन किया। जिससे पुलिसकर्मियों के चेहरों पर भी मुस्कान आ गई। छोटे बच्चों द्वारा पुलिसकर्मियों का किया गया अभिवादन बहुत कुछ सिखाता है। आप सभी भी दिन रात हमारे रक्षक बनकर हमारे लिए डटे रहने वाले पुलिसकर्मियों को इसी तरह अभिवान करें और उनका हौसला बढ़ाए।

महावीर समिति के अध्यक्ष बने झमकलाल भण्डारी

नवीन कार्यकारिणी की हुई घोषणा

माही की गूंज, पेटलावद। विगत दिनों पेटलावद के डालिम कुंज भवन में महावीर समिति की एक बैठक आयोजित हुई। उक्त बैठक में सकल जैन समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी व सदस्यगण विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर महावीर समिति की द्विवर्षीय नवीन कार्यकारिणी 2020 से 2022 तक का गठन किया गया। जिसमे सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद हेतु तेरापंथ सभा के अध्यक्ष झमकलाल भंडारी को नियुक्त किया गया। साथ ही सचिव पंकज जे.पटवा, उपाध्यक्ष वरिष्ठ समाजसेवी सोहनलाल चाणोदिया, दीपक सेठिया, कोषाध्यक्ष कमल जैन कोठारी, मीडिया प्रभारी पीयूष पटवा को नियुक्त किया गया। उक्त मीटिंग में निवर्तमान अध्यक्ष प्रबोध मोदी ने अपने कार्यकाल में हुए विभिन्न सामाजिक कार्यों की जानकारी प्रदान करते हुए समाजजन के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही निवर्तमान कोषाध्यक्ष पंकज जे.पटवा ने पिछले द्वि-वर्षीय कार्यकाल का आय-व्यय का सम्पूर्ण ब्यौरा प्रस्तुत किया। महावीर समिति द्वारा आयोजित उक्त बैठक में नवनियुक्त अध्यक्ष झमकलाल भंडारी, उपाध्यक्ष सोहनलाल चाणोदिया, सहित वरिष्ठ राजेन्द्र कटकानी, लोकेश भंडारी आदि ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर उपस्थित समाजजन द्वारा आगामी सामाजिक कार्यक्रमों की रूपरेखा भी बनाई गई। आभार जितेंद्र कटकानी ने माना। यह मीडिया प्रभारी पीयूष पटवा द्वारा जानकारी दी गई।

नवरात्रि के प्रथम दिन देवी मंदिरों में भी पसरा सन्नाटा

माही की गूंज, झाबुआ।

बुधवार को हिन्दू नववर्ष के प्रारंभ होने के साथ ही चौत्र नवरात्री का पर्व भी प्रारंभ हो गया । प्रतिवर्ष नगर के सभी देवी मंदिरों में प्रातःकाल से ही माताजी की आराधना,पूजा, अर्चना एवं अनुष्ठानों के लिये काफी भीड एकत्रित होती है । मंदिर के गेट पर ताला लगा दिया गया था तथा रस्सीया बांध कर मंदिर में पर्याप्त दूरी से दश्रनार्थी दर्शन लाभ ले सके ऐसी व्यवस्था की गई । पूरे देश मे कोराना वायरस को लेकर लाक आउट का असर नवरात्री पर्व पर भी दिखाई दिया । स्थानीय शक्तिपीठ कही जाने वाली दक्षिण मुखी कालिका माता के मंदिर में नवरात्री के प्रथम दिन मां शैल पुत्री के प्रथम स्वरूप का आकर्षक श्रृंगार भी किया गया तथा विधि विधान से मां के कलश की स्थापना के साथ ही आरती एवं अनुष्ठान भी किये गये । किन्तु लांक आउट के चलते ताा प्रधानमंत्री क आव्हान को मानते हुए नगर के सभी देवी मंदिरों में श्रद्धालुओ का जमावडा नही हुआ । लोगों ने अपने अपने घरों में ही नवरात्री के प्रथम दिन घट स्थापना करके माता रानी की पूजा अर्चना की ।

'बड़े दौर गुजरे हैं जिंदगी के यह दौर भी गुजर जाएगा, थाम लो अपने पांव को घरों में ये मंजर भी थम जाएगा'

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आव्हान पर नगर में 14 अप्रैल तक 21 दिन के लॉक डाउन का हुआ स्वागत

माही की गूंज, झाबुआ।

'बड़े दौर गुजरे हैं जिंदगी के यह दौर भी गुजर जाएगा, थाम लो अपने पांव को घरों में ये मंजर भी थम जाएगा।' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 24 मार्च को रात्रि आठ बजे दिए गए राष्ट्र के नाम संबोधन में देश में कोविड-19 कोरोना वायरस के आग की तरह फैलने को लेकर पूरे देश में राजधानी से लेकर सुदूर ग्रामीण अंचल तक लॉक डाउन दूसरे शब्दों में कहे तो जनता कर्फ्यू के परिष्कृत एवं बडे स्वरूप की घोषणा के बाद इस आदिवासी अंचल में भी इसका व्यापक प्रभाव दिखाई देने लगा है। अब तो मास्क लगा कर घरों से बाहर निकलने वालों की संख्या मे तेजी से बढोत्तरी हो चुकी है। मेडिकल स्टोर्स मास्क की सप्लाय कम होने के चलते इसके भावों में भी दो से तीन गुना तक बढोत्तरी हो चुकी है। फिर भी लोग स्वसुरक्षा की दृष्टि से मास्क एवं सैनेटाइजर ऊंचे दामों में भी खरीदने को मजबूर है। वैसे नगर में कुछ समाज सेवी टेलरों द्वारा मानव सेवा माधव सेवा के महामंत्र को अंगीकार करते हुए निःशुल्क ही मास्क का निर्माण कर लोगों में वितरित करने का कार्य किया है।

किराना एवं मेडिकल स्टोर्स पर दिखी भीड़

25 मार्च को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 3 सप्ताह के लॉक डाउन की पूरे देश में घोषणा का असर झाबुआ नगर सहित पूरे अंचल पर दिखाई दिया । देशबंदी की घोषणा होने के बाद से ही लोगों की भीड मेडीकल स्टोर्स एवं रोजमर्रा की वस्तुयें लेने के लिये किराना दुकानों पर उमडती हुई दिखाई दी । किन्तु मेडीकल स्टोर्स रात्री 8 बजे तक ही खुले रखने की केमिस्ट एसोसिएशन के निर्णय के चलते कई लोगों को रात्री में दवाई दुकानों से निराश लौटना पडा । मेडीकल स्टार्स वाले बता रहे थे कि प्रतिदिन दवाई की दुकाने खुली रहेगी किन्तु लोगों की भीड इसके बाद भी उमडती हुई दिखाई दी ।

कलेक्टर ने दुकानों के खुलने व बंद होने का समय किया निर्धारित

25 अप्रेल को सुबह से ही नगर की सडकों पर लोगों का आना जाना शुरू हो गया और मेन रोड, थांदला गेट, के अलावा किराना की दुकानों पर भी काफी भीड एकत्रित देखी गई । जबकि स्पष्ट निर्देश है कि सामग्री लेने आये लोगों को दुकानों पर पर्याप्त दूरी बनाये रखना है, किन्तु इसका पालन कहीं से कहीं तक नही दिखाई दिया । पुलिस प्रशासन ने प्रातः 11 बजे से सभी लोगों को जो सडकों एवं दुकानों पर एकत्रित हो रहे थे उन्हे अपने अपने घरों पर जाने की ताकीद दी जाती रही । एडिशनल एसपी की गाडी से नगर के मुख्य बाजारों में एनाउंस करवाया जाता रहा । लोगों को किराना एवं अन्य आवश्यक सामग्री की आपूर्ति को लेकर संकल व्यापारी संघ के अध्यक्ष नीरजसिंह राठौर द्वारा कलेक्टर से इस बारे में चर्चा भी की तथा आम लोगों को सामान की आपूर्ति को लेकर कलेक्टर ने भी उनकी बातों को गंभीरता से सुन कर व्यवस्था दी है । नीरजसिंह राठौर एवं पंकज मोगरा ने बताया कि जिलाधीश महोदय से चर्चा अनुसार कुछ नियम व्यापारी साथियो के लिए जारी किए है'। जिसके अनुसार किराना दुकान प्रातः 6 बजे से प्रातः10 बजे तक ही चालू रहेगी । धारा 144, कोरोना के खतरे को कम करने के लिए जरूरी है उसके लिए किराना दुकान पर भीड़ नही होना चाहिए,। वरना दी गई छूट मे कटौती कर दी जावेगी एवं समस्या और बढ सकती है। ट्रांसपोर्ट की गाड़ियां नियमानुसार खाली होगी ,पास जारी किए जावेंगे तथा हम्माल मास्क पहने हो एवं सेनेटाइजर होना चाहिए । फलों एवं सब्जी विक्रेता को ,दूर दूर बैठ कर एवं हाथ ठेला वालो को फेरी लगा कर सब्जी बेचने के लिए आदेशित किया जावेगा। आवश्यक खाद्य पदार्थों एवं दवाओं का परिवहन, नियमानुसार करने के लिए एसडीएम खराडी से संपर्क किया जा सकता है'। आवश्यक कार्य होने पर ही मास्क लगाकर बाजार मे निकलने के निर्देश मिले है।

पुलिस निभा रही मुश्तैदी से अपनी ड्युटी

25 अप्रैल को चौथे दिन भी झाबुआ नगर में कर्फ्यू जैसी स्थिति दोपहर मे दिखाई दी। नगर के बाजार विरान दिखाई दे रहे थे। पुलिस वालों की जगह जगह ड्यूटी थी। राजवाडा चौक पर पुलिस द्वारा नियमों का पालन नही करने पर ऑटो रिक्शा में बैठे लोगों को लाठी के बल पर रवाना करवाया गया। वही बिना काम से घुमने वाले लोगो को भी पुलिस के डंडा का सामना करना पडा ओर उनसे पुलिस द्वारा घर से बाहर नही निकलने को लेकर उठक बैठक लगवाई गई। जिससे की वो अपने घर मे ही बैठे रहे ओर छूट मिलने के समय पर ही घर से बाहर निकल कर अपने जरूरी कामो को करे। कई जगह जगह बेरेटींग करके आने जाने वालों को नियंत्रित भी किया गया । पूरा बस स्टेंड ही सुनसान नजर आया तथा वहां एक भी यात्री या भीड भाड नही दिखाई दी । वही हाई वे भी सुनसान दिखाई दिये ।

सांसद ने की अपील

सांसद गुमानसिंह डामोर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 21 दिन के लिये पूरे देश में किए गए लॉक डाउन का स्वागत करते हुए कहा कि 14 अप्रैल तक देश रहेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस महामारी से देश को बचाने के लिए यह निर्णय लिया है। उन्होने देशवासियों से अपील की गई है कि मंगलवार-की रात 12 बजे से 3 सप्ताह तक यानी कि 15 अप्रैल तक देश लॉक डाउन रहेगा। इस दौरान आप अपने घरों में ही रहें। आपकी जान बचाने के लिए ड्यूटी दे रहे मीडिया कर्मी, डॉक्टर्स, पैरामेडिकल स्टाफ, पुलिसकर्मियों सफाई कर्मचारियों का उत्साह बढ़ाएं। डामोर ने कहा कि कृपया प्रत्येक व्यक्ति स्वयं का ख्याल रखते हुये कोरोना वायरस से बचाव के लिये प्रशासन के हर आदेश को अपना कर्तव्य मानते हुये उसका पालन करे । आपका जीवन सदैव आनंदमय और खुशहाल हो ऐसी कामना के साथ उन्होने भारतीय नवसंवत्सर 2077, एवं चौत्र नवरात्री पर्व की बधाईया भी दी है ।

थोक भंडार से चलित दुकानें हो शुरू

लॉक डाउन के दौरान किराना की दुकानों पर प्रातःकाल जबरजस्त भीड को नियंत्रत करने के लिये आवश्यक है कि जिला प्रशासन द्वारा जिला सहकारी थोक उपभोक्ता भंडार के माध्यम से नगर में दो या तीन चलित दुकानों का संचालन किया जाए जिसमे रोजमर्रा की वस्तुएं, किराना सामग्री ,साबुन, टूथ पेस्ट आदि को लेकर वाहनें नगर के विभिन्न वार्डो में भ्रमण करके घर पहुंच सामग्री पहुंचाने एवं विक्रय का कार्य करेगी। निश्चित तौर पर सुबह सबुह किराना की दुकानों पर जो जबरजस्त भीड दिखाई दे रही है उस पर निश्चित तौर पर नियंत्रण होगा और लोगों को घर बैठे ही उपयोग की सामग्री उचित मूल्य पर मिल सकेगी तथा बाजारों में जो अधिक दाम लेने की शिकायतें बनी हुई है। उस पर भी नियंत्रण लग सकेगा। नगरवासियों की सुविधा एवं मांग को देखते हुए लॉक डाउन के दौरान इस प्रकार की व्यवस्था निश्चित ही इस दिशा में उल्लेखनीय कदम साबित हो सकता है। इस बारे में कलेक्टर प्रबल सिपाहा से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि नगरवासियों को घर बैठे घर पर ही जरूरत की सामग्री उपलब्ध हो सके इसके लिये व्यापारी संघ से भी चर्चा हो गई तथा उपभोक्ता भंडार के माध्यम से से रोजमर्रा की चिजों के प्रदाय के लिये व्यवस्था सुनिश्चित की जारही है ताकि नगर में दुकानों पर अनावश्यक भीड भाड से बचा जा सकें।

युवा ने बांटे निःशुल्क 2700 मास्क

माही की गूंज, झाबुआ। कोरोना वायरस (कोविड-19) से रोकथाम के लिए शहर के सज्जन रोड़ पर स्थित आरके टेलर के व्यवसायी राजेन्द्र (पप्पू) चौहान द्वारा दिन-रात मेहनत कर सिलाई कर मास्क बनाकर इसका निःशुल्क रूप से वितरण शहर के लोगो को किया जा रहा है। एक तरफजहां मौका का फायदा उठाते हुए कई लोगों द्वारा अधिक दाम लेकर मास्क बेचे जा रहे है, उसी बीच सेवा भावना के दृष्टिगत राजेन्द्र (पप्पू) चौहान अपनी दुकान पर मास्क बनाकर इनका निःषुल्क वितरण कर मानव सेवा ही माधव सेवा का परिचय दे रहे है।

राजेन्द्र (पप्पू) चौहान से चर्चा करने पर उन्होंने बताया कि 21 मार्च से उन्होंने अपनी दुकान पर यह कार्य शुरू किया है। उनके इस कार्य में पूर्ण सहयोग उनके छोटे भाई उमेष चौहान, दुकान पर आसपास के क्षेत्रों से पदस्थ किए गए कर्मचारियों में सन्नू शर्मा, रवि मकवाना, राजूभाई, प्रकाश डामोर, पुलिस विभाग से आरक्षक रमेष कमेष, षिक्षिका विमलादेवी आदि द्वारा प्रदान किया जा रहा है। सभी के सहयोग से वह निःस्वार्थ भाव से यह सेवा कर रहे है।

राजेन्द्र चौहान ने बताया कि वह अभी तक 2700 मास्क का निःषुल्क वितरण अभी तक कर चुके है। जिसमें जिला चिकित्सालय में डॉक्टर एवं स्वास्थ्य कर्मचारियों, मौहल्लेवासियों, व्यापारियों के साथ जहां से भी उन्हें फोन पर सूचना प्राप्त हो रहीं है, उन्हें निःषुल्क रूप से मास्क का वितरण कर कोरोना वायरस से रोकथाम के लिए लोगों की आवष्यक मद्द की जा रही हे। वह फिलहाल अपनी दुकाने पर झाबुआ जिले में लॉक डाउन के बीच जिले की जनता के लिए निःस्वार्थ सेवाएं देने वाले करीब 4 हजार पुलिस कर्मियों के लिए मास्क तैयार कर रहे है। इसके साथ ही उनकी जिला प्रषासन के अधिकारी-कर्मचारियों को भी निःषुल्क मास्क वितरण करने की योजना है।

मास्क बनाने के लिए वह कपड़ा अपनी दुकाने से उपयोग करने के साथ जरूरत पड़ने पर शहर के लोग भी कपड़ा एवं आवष्यक सामग्री उपलब्ध करवा रहे है। 24 मार्च, बुधवार को उनके इस कार्य में सहयोग सर्वोदय कला मंडल के सदस्यों में अभिजीत यादव, वाहिद शेख, पियूष पटेल, अनमोल नागर, मनीष व्होरा, जयेष पटेल, लोकेष सावलानी, हितेन्द्र बुंदेला, पम्मी, यतिन्द्र राठौर आदि द्वारा प्रदान किया गया एवं उनके इस कार्य की सराहना की गई। उनका मास्क बनाकर निःषुल्क वितरण का कार्य आगामी दिनों में जारी रहेगा।

जान जोखिम में डाल कर रहे पानी की व्यवस्था

माही की गूंज, बामनिया। गौरव भंडारी

लगभग तीन सप्ताह पूर्व ही गूंज द्वारा ग्राम पंचायत बामनिया के फलिये से चित्तोडी रुंडी में पानी की समस्या को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। लेकिन ग्राम पंचायत की ओर से कोई व्यवस्था करने की बजाय पानी की समस्या के लिए आवाज उठाने वालों को चुनौती दी गई कि हम अब कोई व्यवस्था नहीं करेंगे, जो चाहे कर लो, कही भी शिकायत कर दो। यह कह कर जल समस्या का कोई स्थाई या अस्थाई हल करने से दूरी बना ली। किसी ने सोचा नहीं था कि कोई भयंकर महामारी लोगों को घरों में रहने के लिए मजबूर कर देगी, लेकिन ऐसी स्थिति अब बन गई है। जिसमें जीवन के लिए जरूरी पानी के बिना घरों में रहना भी मुश्किल होगा। जहां पूरे नगर में ग्राम पंचायत पानी पहुंचा रही हैं। वही चित्तोडी रुंडी फलिये के लोगों को पीने के पानी के लिए मजबूरी में घर से बाहर निकल कर लगभग एक किलोमीटर दूर निजी बोरिंग से पानी की व्यवस्था करने पर मजबूर होना पड़ रहा है। कोरोना वाइरस को भूल कर लोग पानी के लिए आवाजाही कर रहे हैं।

मजे की बात तो ये हैं कि चंद कदम की ही दूरी पर ग्राम पंचायत सरपंच का घर है और रोज अपनी पंचायत के एक फलिये के नागरिकों को पानी के लिए संघर्ष करते देखती हैं, लेकिन पानी पहुंचाने की कोई कार्य योजना तैयार इनके लिए नहीं की गई। फलिये के रहवासियों का कहना है कि इस मुश्किल और मुसीबत के समय में भी ग्राम पंचायत के जवाबदार अपनी खुन्नस निकालने में लगे हैं। पूरे गांव में पानी घर-घर पहुंचाया जा रहा हैं और हमको मजबूरन घरों से निकलना पड़ रहा है। रहवासियों ने मांग की है कि ग्राम पंचायत फलिये में कम कम से लॉक डॉउन तक टैंकरों के माध्यम से पानी पहुंचाए और फलिये में बंद पड़े हैंडपंप सुधरवाए। बाकी समय हम वर्षों से संघर्ष कर रहे थे, तो आगे भी कर लेंगे।

लापरवाही करोगे तो सब मारे जाओगे

आज आप सबों ने टेलीविजन पर और दैनिक समाचार पत्रों में वे फोटोग्राफ्स देखे ही होंगे, जिनमें पटना और कलकत्ता में यात्री बसों में ठसाठस भरकर और छतों पर चढ़कर अपने गाँव को जाने के लिए आतुर दिख रहे थे। अब इनकों कौन समझाये कि इनकी इस लापरवाही से कितनों की जान जा सकती है । एक बस यात्री को जब कोई चेतावनी दे रहा है तो वह बड़ी ढीठाईपूर्वक कह भी रहा है कि मजबूरी का नाम ही महात्मा गाँधी है । लेकिन, वह जिसे अपनी मजबूरी बता रहा है, उससे वह न केवल अपने पूरे गाँव वालों को खतरे में डाल रहा है, बल्कि उन तमाम गावों की पूरी आबादी को भी, जिसके नागरिक उस बस में ठूंसकर भरे हैं । अपनी लापरवाही को मजबूरी का नाम देने वाले ऐसे वेबकूफों को तो सिर्फयही कहा जा सकता है कि वे अपने साथ यदि इस जानलेवा बीमारी को लेकर अपने गाँव जा रहे हैं तो भगवान ही उनका रक्षक बन सकता है । आज इस सम्बन्ध में भारत के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने भी यह स्वीकार किया है कि अबतक देशभर में 1,84,000 के करीब करोना महामारी से संभावित रूप से संक्रमित लोग मौजूद हैं, जो सरकार की निगरानी में हैं । यह तो मंत्री जी मात्र उनकी ही बात कह रहे हैं जो सरकार के संज्ञान में आ चुके हैं । लेकिन, जो अबतक सरकार के संज्ञान में नहीं आ पाए, उसका अंदाजा कौन लगायेगा और उनपर निगरानी कैसे होगी और कौन करेगा? यह उसकी दस गुनी यानि अठारह लाख भी हो सकती है और बीस गुनी भी।

मुम्बई, चेन्नई, बेंगलुरु या गुजरात के किसी शहर से दहशत में भाग कर पूर्वांचल की ओर जाने वाले ये सारे गरीब मजदूर और अस्थायी कर्मचारियों में से कुछ भी यदि संक्रमण लेकर अपने गाँवों में पहुँच गए तो गावों में इस महामारी की चिकित्सा की क्या सुविधा उपलब्ध है, यह तो जगजाहिर ही है। जब दिल्ली जैसे शहरों में वेंटिलेटर की भारी कमी है तो बिहार, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल और उड़ीसा के गाँवों में या छोटे शहरों में किसी अस्पताल में कोरोना जैसे वायरस की पर्याप्त चिकित्सा की क्या व्यवस्था होगी, यह तो कल्पना करके भी रूह कांप जाती है । आज ही किसी चौनल पर लखनऊ से एक एम्बुलेंस कर्मी का बयान आ रहा था जिसमें वह कह रहा था कि लखनऊ में 85 एम्बुलेंस हैं जो मरीजों और मृतकों को ढोकर ले जाया जा रहा है। लेकिन, मुश्किल से इनमें से पांच एम्बुलेंसों के कर्मचारियों के पास ही पूरी तरह से ग्लोबस, माश्क और पीपीई (पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट्स) है, तब गावों का अंदाजा कर लें।

एक रिसर्च में यह कहा जा रहा है कि एक संक्रमित व्यक्ति सामान्यतरू 2.6 यानि लगभग ढाई अन्य व्यक्ति को संक्रमित कर सकता है । लेकिन, यह रिसर्च शायद भारत के लिए पूर्णतः गलत साबित हो सकता है । यह रिसर्च इटली और स्पेन के लिए तो कुछ हद तक सही हो सकता है, जहाँ कि आबादी बहुत कम है, सुविधाएँ ज्यादा हैं और जहाँ के लोग अपने स्वभाव से ही एक दूसरे से कम मिलते हैं या जरूरत होते पर ही मिलते हैं और पर्याप्त सामाजिक दूरी बनाकर रखते हैं । लेकिन, जहाँ हमारे देश में 130 करोड़ की आबादी है और क्षेत्रफल के अनुपात में हमारी आबादी चीन से भी कई गुना ज्यादा है । चीन की वैसे आबादी तो भारत से ज्यादा यानि 143 करोड़ की है, लेकिन, क्षेत्रफल के हसाब से चीन में प्रति वर्ग किलोमीटर मात्र 143 व्यक्ति रहते हैं, जबकि भारत में प्रतिवर्ग किलोमीटर 455 लोग रहते हैं । इसी प्रकार अमेरिका में प्रति वर्ग किलोमीटर मात्र 35, स्पेन में 91, ईरान में मात्र 49, फ्रांस में 122 ही लोग रहते हैं।

यह महामारी यदि हमारे देश में तीसरी डिग्री पर यानि कम्युनिटी लेवल पर पहुंचा, तो क्या होगा । इसका अंदाजा इसी से लगा लीजिए कि अबतक चीन में 3277, अमेरिका में 593, स्पेन में 2311, ईरान में 1812, और फ्रांस में 860 लोगों की मौत हो चुकी है । ऐसी स्थिति में यहाँ पर तो एक संक्रमित व्यक्ति कई सौ लोगों को संक्रमित कर देगा । आज ही एक राष्ट्रीय दैनिक, अखबार में यह खबर छ्पी है कि लन्दन से एक डाक्टर साहब भारत आये हैं, जिन्होंने 300 लोगों को संक्रमित कर दिया है । यह संभव भी है । विदेशों में सामान्यतरू न तो कोई किसी को एयरपोर्ट छोड़ने जाता है और न ही लेने जाता है। टैक्सी ने पहुंचा दिया एयरपोर्ट और वही रिसीव करने भी आ गया । पर हमारे यहाँ यदि कोई भाई-बन्धु विदेश से लौट रहा है तो पूरा गाँव उसे रिसीव करने पहुँच जाता है । और, जब कोई व्यक्ति विदेश से लौटता है तो गाँव के हर बुजुर्ग आदमी को पांव छूता है, नौजवानों को गले लगता है और हाथ मिलाता है और बच्चों को चूमता भी है । यह तो हमारे यहाँ की एक आम स्वाभाविक बात है । यदि कोई संक्रमित व्यक्ति ने ऐसा किया तो उसकी संक्रामकता के व्यापक प्रभाव का अंदाजा लगा सकते हैं । ऐसी स्थिति में हजारों की संख्या में गाँवों में संक्रमित लोग पहुँच गए तो इस महामारी को हम भारत वर्ष में फैलने से कैसे रोक सकते हैं ।

आज की ताजा अपडेट खबर है कि अबतक विश्वभर में 16 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जिसमें 462 लोग तो सिर्फएक दिन में स्पेन जैसे सुन्दर से देश में मर गये । स्पेन जहाँ फ्लैटों में रहने की कोई पद्धति ही नहीं है और है भी तो बहुत ही कम । ज्यादातर लोग कोठियों और बाग-बगीचों के बीच में ही रहना पसंद करते हैं । लेकिन, वहां भी महामारी की ऐसी विकराल स्थिति है । इटली जहाँ कि विश्व की दूसरी सबसे अच्छी चिकित्सा पद्धति का दावा किया जाता है, वह भी । आज महामारी का मुकाबला करने में नाकाम हो चुका है । ऐसे समृद्ध देशों में जब महामारी की यह स्थिति है तो भारत में यदि यह महामारी गाँवों में फैली तो उस स्थिति की तो कल्पना करना भी रोंगटे खड़े कर देने वाला है ।

अतरू पूरे देश में लॉकडाउन का पूरी सख्ती से पालन होना चाहिए। और, ऐसे लोग जो अपने गाँव जाने की जिद करना करते हैं, जरूर जाएँ। लेकिन, मेरी सलाह तो यह होगी कि गाँव में भेजने से पहले उन्हें किसी भी जिला अस्पताल में 14 दिन के आईसोलेसन में जरूर रखा जाये । उसके बाद ही उन्हें गाँव जाने दिया जाये । यदि उनका आईसोलेसन नहीं होता है और वे गाँव चले जाते हैं तो गंभीर खतरा है । यदि किसी भी गलती या लापरवाही की वजह से एक भी संक्रमित व्यक्ति गाँव में पहुँच जाता है तो वह पूरे गाँव ही को संक्रमित कर देगा और पूरा गाँव ही जब संक्रमित हो जायेगा तब इनकी चिकित्सा की व्यवस्था हम कहाँ से करेंगे ? तब तो भारत में 120 साल पहले जिस प्रकार से प्लेग फैला था, उसी प्रकार की स्थिति की ओर हम बढ़ रहे हैं।

कोरोना का संक्रमण मुख्य रूप से फेफड़े की बीमारी है और इससे फेफड़े को ही सबसे ज्यादा नुकसान भी पहुंचता है । कोरोना का वायरस जब फेफड़े में पहुँच जाता है तो साँस लेने की दिक्कत और दम घुटने से व्यक्ति की जान चली जाती है । जो ज्यादा मात्रा में और नियमित अल्कोहल का सेवन करते है, तम्बाकू खाते है, जिन्हें सिगरेट-बीड़ी पीने की आदत है, उनके तो फेफड़े तो पहले से ही कमजोर होते है । ऐसी स्थिति में यदि गाँवों में संक्रमण पहुंचा तो स्थिति भयावह हो जाएगी । क्योंकि, गाँव में तो कोई पहले से इस प्रकार के भयंकर महामारी से निबटने की चिकित्सा की सुविधा है ही नहीं । अभी कल ही जबलपुर मेडिकल कॉलेज में 5 करोना के संक्रमित मरीज एडमिट किये गए, लेकिन, वहां न तो वहां टिशू पेपर है, न डस्टबिन है, न फेस मास्क है, न सेनिटईजर है, न हैण्ड गलोब्स हैं । तो जब देश के मेडिकल कॉलेज की यह स्थिति है, तो गांवों की स्थिति की कल्पना आप स्वयं कर सकते हैं ।

ऐसी स्थिति में बंधुओं, कृपया करके गावों की तरफसंक्रमित व्यक्ति को ले जाने से रोकिये । यदि गावों की तरफयह संक्रमण चला गया तो स्थिति बहुत ही विकराल हो जाएगी और संक्रमित लोगों की संख्या लाखों में पहुँच जाएगी। कितनी मौतें होगी इसका अंदाजा भी लगा पाना मुश्किल होगा।

पटना में भी जो एक मौत हुई है वह मध्य एशिया के कतर देश से लौटे एक नवयुवक की हुई है । उम्र है मात्र 38 साल । इस घटना ने इस भ्रम को भी तोड़ा है कि सिर्फ60 वर्ष से ऊपर के लोगों पर ही कोरोना के संक्रमण का खतरा ज्यादा है । नौजवान मुंगेर जिले के किसी गाँव का रहने वाला था और कतर से अपने गाँव लौट रहा था। या तो पहले से ही संक्रमित था या रास्ते में संक्रमित हो गया होगा । पटना एयरपोर्ट पर उतरते ही उसकी तबियत खराब हो गयी । तुरंत ही उसे पटना के इंदिरा गाँधी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ ईलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी । वह संक्रमण अपने गाँव तो नहीं ले जा पाया । किन्तु, कतर से दिल्ली और फिर दिल्ली से पटना के रस्ते में कितने लोगों को उसने छुआ होगा इसका कोई अंदाजा नहीं है और न रिकॉर्ड है । ऐसे ही संक्रमण फैलता है। अतरू यह ध्यान रखना होगा कि कोई भी व्यक्ति दिल्ली से पटना या लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी, भुवनेश्वर, रांची, कोलकता या गुवाहाटी पहुँच चुका हो तो वहां से उसे सीधे उसके गाँव न जाने दिया जाये। बिना आईसोलेसन (पृथकवास) के किसी भी व्यक्ति का गाँव में प्रवेश ही न हो तभी जाकर इस समस्या का समाधान हो पायेगा अन्यथा नहीं हो पायेगा ।

अब जरा बेबकूफढीठों की भी बात कर लें । आज सुबह पटना में एक ऐसा ही ढीठ उसी अस्पताल में पहुँच गया जहाँ कल करोना से संक्रमित एक नौजवान की मृत्यु हुई थी । वह किसी मरीज को लेकर पहुंचा था । कल की घटना के बाद कड़ाई तो स्वाभाविक रूप से होगी ही । वह अपने को भाजपा का प्रवक्ता बताने लगा । हर पंक्ति में गाली गलौज और भारत के गृह मंत्री और बिहार के मुख्यमंत्री का नाम लेकर धमकी देता । जब वहां तैनात सुरक्षाकर्मी उसकी धौंस मानने को तैयार नहीं हुये तो मारपीट पर उतर आया । किसी तरह से मामला शांत हुआ । ऐसे ढीठ मनचलों से भी सावधान रहना होगा।

आर.के.सिन्हा

अब जरा बात कर ले प्लेग के महामारी की भी । इसने एक सौ बीस साल पहले अपने देश में भयानक कहर ढाया था । वर्ष 1898-99 के दौरान पूरे देश में खासकर उत्तर प्रदेश, बिहार, बंगाल, उड़ीसा में भयानक प्लेग फैला था । स्वामी विवेकानंद अपने शिष्यों के साथ सुबह उठते ही दिन-दिन भर लाशों को ढोते और दाह संस्कार करते । फिर भिक्षाटन में जो कुछ भी मिलता उसका खिचड़ी बनाकर रात में एक बार थोडा सा प्रसाद ग्रहण करते । उस समय विवेकानंद ने एक ष्घोषणा पत्रष् पहले तैयार किया था प्लेग का । पहले यह ष्घोषणा पत्रष् बंगला में बनाया गया था फिर उसे हिंदी और अंग्रेजी में अनुवाद किया गया । इसमें प्लेग के मरीजों के लिए और प्लेग के मरीजों के परिचायकों के लिए एक आचार संहिता बनाई गयी थी कि क्या करना है और क्या नहीं करना है । इस आचार संहिता की सख्ती से पालन का अनुरोध स्वामी जी ने किया था जिसे लोगों ने सख्ती से पालन भी किया था ।

ऐसी ही आचार संहिता की आवश्यकता आज भी हो गयी है, जिसका सख्ती से पालन होना जरूरी है । यह मोदी जी की आचार संहिता होगी । यह महामारी प्लेग की महामारी से ज्यादा खतरनाक है, क्योंकि यह छूने मात्र से ही नहीं बल्कि खांसने, थूकने, नाक से पानी निकलने से भी फैल रहा है। अतरू इससे लड़ने का एक मात्र साधन है - सतर्कता, संयम और व्यापक जागरूकता तथा नियमों का सख्ती से पालन।

(लेखक वरिष्ठ संपादक एवं स्तंभकार हैं।)

टेंट से निकले रामलला, अस्थाई भवन में चांदी के सिंहासन पर हुए विराजमान

मुख्यमंत्री ने की आरती, भव्य राम मंदिर के निर्माण का पहला चरण हुआ सम्पन्न

अयोध्या, एजेंसी। चौत्र शुक्ल प्रतिपदा नव संवत्सर के अवसर पर बुधवार को ब्रह्म मुहूर्त में श्रीरामलला धार्मिक विधि विधान के साथ फाइबर के नए आसन पर अस्थाई रूप से विराजमान हो गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के ट्रस्टियों के सामने वैदिक मंत्रोंच्चारण के साथ भगवान श्री रामलला को टेंट से निकालकर अस्थाई भवन में चांदी के सिंहासन पर विराजमान कराया।

बुधवार को ब्रह्म मुहूर्त के समय राम जन्मभूमि परिसर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अनुष्ठान में उपस्थित सभी प्रमुख लोगों के साथ श्री रामलला की भव्य आरती पूजन किया।

राम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामलला को 11 लाख रुपए का चेक सौंपा। अब रामलला अपने भाईयों के साथ राम जन्मभूमि परिसर में स्थित मानस भवन के सामने अस्थाई ढांचे में भव्य मंदिर निर्माण होने तक भक्तों, श्रद्धालुओं को यहीं पर दर्शन देंगे।

इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम तिरपाल से नए आसन पर विराजे हैं। चौत्र शुक्ल प्रतिपदा, भारतीय नव संवत्सर, मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के राज्याभिषेक का पावन पर्व भी है और हम सब सौभाग्यशाली हैं कि हजारों वर्षों बाद इस अयोध्यापुरी में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम एक नये आसन पर विराजमान हुए हैं जिसके हम सब इसके साक्षी बने हैं। उन्होंने कहा कि श्री राम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण का जो सपना हमारे पूर्वजों, हमारे पूज्य संतों ने देखा था, उस सपने का प्रथम चरण आज चौत्र शुक्ल प्रतिपदा तिथि पर पूरा हुआ है। इसके साथ ही द्वितीय चरण में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के भव्य मंदिर निर्माण के शुभारंभ की तिथि आज से ही प्रारंभ हो रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह अयोध्यावासियों और प्रदेशवासियों का सौभाग्य है कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की पावन जन्मभूमि इस अयोध्या और इस प्रदेश में है। देश और दुनिया का हर सनातन धर्मावलंबी मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम की इस पावन पूरी पर श्रद्धा और गौरव की अनुभूति करता है। विश्व की मानवता पर जब कभी संकट में आया है तो उन चुनौतियों से जूझने के लिए मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम को धर्म का साक्षात स्वरूप मानकर लोगों ने प्रेरणा और प्रकाश प्राप्त किया है।

इस समारोह में कोरोना वायरस के संक्रमण के चलते प्रमुख लोगों को ही आमंत्रित किया गया था। इस अवसर पर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष मणिराम दास छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमल नयन दास शास्त्री, दिगंबर अखाड़े के महंत सुरेश दास, श्री राम जन्मभूमि परिसर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास, ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय, ट्रस्टी एवं रिसीवर अयोध्या राजा बिमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र, ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा, पदेन ट्रस्टी जिला अधिकारी अनुज कुमार झा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आशीष तिवारी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अवध प्रांत प्रचारक कौशल, विश्व हिंदू परिषद के क्षेत्रीय संगठन मंत्री अमरीश सहित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद के वरिष्ठ पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

राम लला की विस्थापना के बाद ?उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य द्वारा भेजा गया छप्पन भोग रामलला को समर्पित किया गया। श्री राम लला के पूजन अर्चन के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर के लिए रवाना हो गए।

संघ प्रमुख की स्वयंसेवकों से अपील, स्वयं और समाज से कराएं लॉकडाउन का पालन

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन राव भागवत ने बुधवार को चौत्र शुक्ल प्रतिपदा युगाब्द 5122 की शुभकामनाएं देते हुए अपने स्वयंसेवकों से देश में जारी 21 दिन के लॉकडाउन का पालन करने और समाज को इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया है। वर्ष प्रतिपदा के दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ केशव राव बलिराम हेडगेवार की जयंती भी होती है।

मोहन भागवत ने सभी स्वयंसेवकों को उनकी रीति-नीति का ध्यान कराते हुए कहा कि स्वयंसेवक सामाजिक अनुशासन का पालन करते हुए राष्ट्रहित में कार्य करता है और आने वाले कुछ दिनों में भी इसी सामाजिक अनुशासन का पालन करना है।

सरसंघचालक ने स्वयंसेवकों से कहा कि पहले भी प्रतिबंधों के चलते शाखा नहीं लग पाई हैं, उस दौरान भी संघ का कार्य जारी रहा है। इसी तरह से इस कोरोना वायरस के संकट से जीतने के लिए सभी स्वयंसेवक परिवार व आस-पड़ोस में एकत्र होकर शाखा लगा सकते हैं।

संघ प्रमुख ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कार्य तत्व को बनाए रखते हुए परिस्थिति के अनुसार नई शैली को अपनाना है। साथ ही मूल संकल्प को ध्यान में रखते हुए अपने उदाहरण से सबका मन देश और समाज हित से जोड़ना है। यह कार्य संघ का स्वयंसेवक हर समय जारी रख सकता है। उन्होंने कहा कि संघ का काम व्यक्ति निर्माण है और उसके माध्यम से समाज में संस्कारों का प्रसार करना है।

केंद्र को चिदंबरम का सुझाव : किसान सब्सिडी हो दोगुनी, गरीबों को मिले पैसा

करों में कटौती व ईएमआई भुगतान की तारीख बढ़ाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना वायरस के संक्रमण को लेकर पूरे देश में भय का माहौल है। ऐसे में सुरक्षा और बचाव को कोरोना के खिलाफबेहतर हथियार बताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 21 दिनों के लॉकडाउन की घोषणा की है, जो स्वागत योग्य है। लॉकडाउन के बाद अगले चरण में सबसे अहम है राहत उपायों को लेकर फैसला किया जाना तथा जरूरतमंद लोगों को पैसे और भोज्य पदार्थों मिले, यह सुनिश्चित करना।

यह बातें कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने बुधवार को बयान जारी कर कही। चिदंबरम ने 21 दिनों की देशव्यापी बंदी के दौरान लोगों को राहत पहुंचाने के लिए केंद्र सरकार को दस बिन्दुओं पर विचार कर तत्काल ऐलान किए जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि वर्तमान स्थिति में गरीब परिवारों को पैसा ट्रांसफर करना सबसे जरूरी है। प्रधानमंत्री-किसान सब्सिडी को दोगुना करना तथा इसी योजना में किराएदार किसानों को लाना दूसरा महत्वपूर्ण बिन्दु है। कर भुगतान की तारीखों को 30 जून तक टालने तथा अप्रत्यक्ष करों, खासकर जीएसटी दरों, में कटौती लोगों को विशेष रूप से आर्थिक राहत पहुंचाएगा। साथ ही बैंकों को भी हिदायत दी जाए कि ईएमआई भुगतान की डेडलाइन को 30 जून तक टाल दे।

इसके अलावा पूर्व वित्तमंत्री ने सुझाव दिया है राशन कार्ड वाले रखने वाले जो परिवार अनाज लेना चाहते हैं उन्हें 10 किलो चावल या गेहूं मुफ्त दिया जाना चाहिए। साथ ही नौकरी देने वालों निर्देशित किया जाए वे रोजगार और मजदूरी के वर्तमान स्तर को बनाए रखेंगे। वहीं मनरेगा के मजदूरों को भी 3000 रुपये की आर्थिक मदद की जानी चाहिए।

कांग्रेस नेता ने कहा कि इन सबके अतिरिक्त वो लोग जो किसी भी वर्ग में लाभ प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं उनके लिए सरकार को चाहिए कि वार्ड या ब्लॉक स्तर पर एक रजिस्टर तैयार किया जाए। इसमें नाम, पता और आधार देखकर उन्हें राहत सामग्री देने के साथ तथा आर्थिक मदद भी की जाए।

मोदी ने नवरात्रि मानवता उपासकों को समर्पित की

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को देशवासियों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए इस वर्ष की अपनी साधना को मानवता की उपासना करने वाले तथा कोरोना वायरस के फैलाव को रोकने में लगे सभी नर्स, डॉक्टर, मेडिकल स्टॉफ पुलिसकर्मी और मीडियाकर्मी के उत्तम स्वास्थ्य के लिये समर्पित की।

मोदी ने ट्वीट कर कहा, 'सभी देशवासियों को नववर्ष विक्रम संवत 2077 की हार्दिक शुभकामनाएं। यह नववर्ष आप सबके जीवन में समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए।'

मोदी ने एक अन्य ट्वीट कर कहा, 'आज से नवरात्रि शुरू हो रही है। वर्षों से मैं मां की आराधना करता आ रहा हूं। इस बार की साधना मैं मानवता की उपासना करने वाले सभी नर्स, डॉक्टर, मेडिकल स्टाफ पुलिसकर्मी और मीडियाकर्मी, जो कोरोना के खिलाफलड़ाई में जुटे हैं, के उत्तम स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं सिद्धि को समर्पित करता हूं।'

सरकार का बड़ा फैसला, 80 करोड़ लोगों को मिलेगा सस्ता अनाज

लोगों को 3 रुपये किलो चावल तो 2 रुपये किलो की दर से मिलेगा गेहूं

नई दिल्ली,एजेंसी। देश में कोरोना महामारी के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 21 दिन के लॉक डाउन को देखते हुए सरकार ने आम जनता को राहत देने के लिए एक बड़ा फैसला किया है। बुधवार को प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में 80 करोड़ लोगों को सस्ते दर अनाज देने का फैसला किया गया है। इसके तहत 27 रुपए किलो बिकने वाला गेहूं मात्र 2 रुपए तो 37 रुपए प्रति किलो वाला चावल 3 रुपए प्रति किलो मिलेगा।

मंत्रिमंडल के बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी देते हुए केंद्रीय सूचना व प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने बताया कि केन्द्र सरकार ने राज्य सरकारों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के लिए 3 महीने का एडवांस सामान खरीदने को कहा है। इससे पहले, उपभोक्ता मामलों के मंत्री रामविलास पासवान ने कहा कि बेनिफिशियरी पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम (पीडीएस) के तहत एक बार में 6 महीने का राशन ले सकते हैं। सरकार ने ये फैसला कोरोना वायरस के संक्रमण को देखते हुए लिया है। सरकार के बताया कि उसके पास 435 लाख टन सरप्लस अनाज है। इसमें 272.19 लाख टन चावल, 162.79 लाख टन गेहूं है।

गौरतलब है कि सरकार पीडीएस सिस्टम के तहत देश भर के 5 लाख राशन दुकानों पर लाभार्थियों को प्रतिमाह अनाज रियायती दर पर देती है। इस पर सरकार को सालाना 1.4 लाख करोड़ रुपये खर्च आता है। नेशनल फूड सिक्योरिटी एक्ट के तहत राशन की दुकानों में अनाज रियायती दर पर मिलता है। कार्ड धारकों को इसके तहत 3 रुपये प्रति किलोग्राम चावल, 2 रुपये प्रति किलोग्राम गेहूं और 1 रुपये प्रति किलोग्राम मोटा अनाज दिया जाता है। परिवार के सदस्यों की संख्या के आधार पर उसकी मात्रा निर्धारित होती है। सरकार ने कोरोना के मद्देनजर अब 80 करोड़ लोगों तक इसका दायरा बढ़ा दिया है। सरकार शीघ्र ही राशन की दुकानों तक गेहूं, चावल आदि का आपूर्ति सुनिश्चित कर रही है।

● जापान के प्रधानमंत्री ने खेलों को टालने की बड़ी घोषणा की ● अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के साथ संयुक्त बयान जारी किया

ओलंपिक खेल एक साल के लिए स्थगित

टोक्यो

[illegible]

फुकुशिमा में मंगलवार को जूनियर हाई स्कूल की एक छात्रा ने इस साल होने वाले टोक्यो ओलंपिक खेलों की मशाल प्रज्वलित की।

मशाल जापान में ही रहेगी, रिले रद्द

[illegible]

भारतीय खिलाड़ियों ने खुशी जताई

• एमसी मैरीकॉम, भारतीय मुक्केबाज

[illegible]

आईओए और फीफा ने फैसले का स्वागत किया

[illegible]

संवेदना

खेल टालने के अलावा विकल्प नहीं था : ब्रिटेन

टोक्यो

[illegible]

असर

यूएफए ने चैंपियंस और यूरोपा लीग स्थगित की

[illegible]

हॉकी ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय चैंपियनशिप रद्द

[illegible]

फॉर्मूला-वन सीजन छोटा होने की उम्मीद

[illegible]

कर्फ्यू में जीना सीखें, व्यापारिक प्रतिस्पर्धा भूलकर जनता के काम आएं

माही की गूंज। झाबुआ

बेशक रविवार का जनता कर्फ्यू अपनी संवेदना और सहमति में राष्ट्रीय आदर्श ऊंचे कर गया, लेकिन अब दैनिक प्रक्रिया की ऐसी तालाबंदी को साधना होगा। यह केवल कोरोना के इर्द-गिर्द बचाव की परिस्थिति नहीं, बल्कि स्वास्थ्य व आर्थिकी की चुनौतियों के बीच जीवन की अनिवार्यता है। कर्फ्यू में जिंदगी का एहसास निजी व्यवहार का संयम तो है, लेकिन कानून व्यवस्था के पहरे बहरे और न ही गूंगे हो सकते हैं। यह ऐसा कर्फ्यू नहीं कि लाठी भांजी जाए या पुलिस की ड्यूटी का कठोरतम इस्तेमाल किया जाए। आखिर लोग ही खुद पर पाबंदियां लगा कर सहयोग कर रहे हैं, तो उन्हें भी प्रशासनिक दिशा-निर्देश किसी पात्र की तरह दिखाई देने चाहिए। कोरोना के खिलाफ हर पहल को आदत में बदलने के लिए सामाजिक स्वीकृति स्वतः स्फूर्त है, अतः ऐसे नाके साबित न हों जो जनता की आवश्यकताओं को न समझें। पुलिस व्यवस्था के साथ प्रशासनिक अधिकारी का होना यह सुनिश्चित करेगा कि सड़क पर आया कोई व्यक्ति किस जरूरत या मुसीबत में फंसा है। इसी तरह विभिन्न मोबाइल सेवाओं के जरिए चिकित्सकीय जांच, लोगों के फीडबैक तथा आवश्यक जागरूकता का निष्पादन करना होगा। व्यापारिक प्रतिष्ठानों व दुकानदारों को प्रेरित किया जाए कि वह नागरिक वस्तुओं की आपूर्ति को घर द्वार तक पहुंचाएं। इसके लिए सरकार वाहनों की व्यवस्था तथा ऐसी आपूर्ति की निगरानी व्यवस्था कायम करे। कोरोना के खिलाफ जंग तभी लड़ी जाएगी, जब जीने के अधिकार को सरलता व सामुदायिक अनिवार्यता से जोड़ा जाए। जनता कुछ हद तक समुदाय के रूप में अवश्य सोच रही है, लेकिन सरकार को अपनी व्यवस्था में समुदाय के साथ तालमेल की जरूरत है। मौजूदा

परिस्थिति में आवश्यक सेवाओं, सूचनाओं व निर्देशों के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए अत्यंत चौकसी को नकारा नहीं जा सकता। ऐसे में सोशल मीडिया पर बांटी जा रही झूठी जानकारियों पर त्वरित कार्रवाई की मांग की जाती है। कर्फ्यू में रह कर ही हम वायरस को घूमने से रोक सकते हैं, अतः अनावश्यक रूप से सड़क पर आने से खुद को रोकना होगा। यह इसलिए भी कि भारत अपने आकार, आबादी तथा चिकित्सा के कमजोर प्रबंधों के कारण अति संवेदनशील है और अगर जनता इस दौर में खुद को सीमित कर लेती है, तो चंद दिनों के प्रतिबंध सदियों की दिशा तय करेंगे। फिलहाल देश में सवा अठारह हजार व्यक्तियों के पीछे अस्पताल का एक बिस्तर उपलब्ध है और 11600 लोगों की देखरेख के लिए महज एक डॉक्टर है। ऐसे में अगर आशंकाएं बढ़ती हैं, तो परेशानियां दामन से बाहर हो जाएंगी। कोरोना प्रभावितों को पृथक करने के लिए मात्र 84 हजार बेड तथा क्वारेंटाइन के 36 हजार बिस्तर होना, सबसे बड़ी चुनौती है। देश की जनता अगर घर के भीतर रहेगी, तो सरकारों को इस दिशा में क्षमता विकास का अवसर मिलेगा। विडंबना यह भी है कि मीडिया के भीतर आज भी चुटकियां परोसी जा रही हैं और हम खुश हैं कि पड़ोसी पाकिस्तान की मजबूरियां हमसे कहीं अधिक घातक हैं। कोरोना ऐसे भ्रमों से कहीं अलग ऐसा मसला है, जिसे हर राष्ट्र को अपने अहम व वहम से हटकर ही काबू पाना है। यह दौर न तो व्यक्तिगत अहंकार, न समृद्धि, न ख्याति, न पद, न अधिकार और न प्रतिस्पर्धा का है। अतः व्यापारिक प्रतिस्पर्धा को भूलकर ऐसे आदर्श कायम करें, जो जनता के काम आएं। कर्फ्यू के दौरान चारित्रिक उत्थान का अवसर भी मिल रहा है। ऐसे कई उदाहरण सामने आ रहे हैं, जहां मामूली लोग भी मुफ्त में मास्क या सेनेटाइजर बांट रहे हैं, अतः हर व्यक्ति इस दौरान तरह-तरह से अपनी भूमिका निभा सकता है। हम अगर अपनी जरूरतों को ही आधा कर लें, तो अपने हिस्से की भूमिका में किसी अन्य नागरिक की सहायता कर पाएंगे। सरकारी पक्ष को इस समय की कठोर परीक्षा से गुजरना है, लेकिन गौर रहे कि यह कानून व्यवस्था का कर्फ्यू नहीं, बल्कि नागरिक सुरक्षा का इंतजाम है। इस दौर के मानवीय पहलुओं की रक्षा का आश्वासन भी तो प्रशासन को ही देना है।

शराब माफियाओं व विक्रेताओं पर कोरोना का डर नहीं, पुलिस ने पकड़ी 1 पेटी शराब

माही की गूंज, खवासा।

लॉक डाउन के निर्देश के साथ ही 22 मार्च की रात्रि से शासकीय शराब दुकान 25 मार्च तक बंद करने के आदेश हो गए थे। आदेश की अवहेलना कर रात्रि साढे 12 बजे तक खवासा में दुकान से अवैध रूप से शराब बेचने वाले अवैध शराब विक्रेता दो पहियां और चार पहियां अल्टो कार से एक से अधिक बार शराब ले जाकर शराब का अवैध रूप से संग्रहण किया। वही रात्रि डेढ़ बजे थांदला से शराब ठेकेदार के आदमी आए और बिना आबकारी इंस्पेक्टर के ही दुकान सील कर गए। बता दें कि शराब के अवैध अड्ड़ों पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में शराबी आकर शराब का सेवन करते हैं। कोरोना वायरस से बचने व ऐहतियाद के तहत लॉक डाउन के निर्देश का भी डर अवैध शराब विक्रेताओं एवं माफियाओं में नहीं है। नतीजन बड़ी मात्रा में शराब संग्रहण स्थानीय शराब विक्रेताओं ने की थी। रात्रि में उक्त जानकारी एक स्थानीय व्यक्ति द्वारा कोरोना के ऐहतियाद के तौर पर चौकी प्रभारी वीरेंद्र सिंह चौहान को दी गई। जिस पर एक पेटी देशी शराब दो पहिया वाहन के साथ पुलिस ने जप्त की। जिसके बाद उसी व्यक्ति ने चार पहिया वाहन से भी शराब ले जाने की सुचना चौकी प्रभारी को दी, तो चौहान साहब ने कार्यवाही करने के बजाएं बोले मैं, जो गश्त करने आएंगे उनको कह देता हूं, कह कर चौकी पर चले गए। इतना ही नहीं दूसरे दिन शराब ठेकेदार का एरिया मैनेजर मनोज पुलिस चौकी पहुंचा और पुलिस से सांठगांठ के चलते 1 पेटी शराब का केस बिना दो पहिया वाहन के साथ कार्यवाही करने की डील हुई। जिस पर बाइक को शराब के साथ चौकी पर ले जाने के बाद भी बिना बाइक जप्त किए ही 1 पेटी शराब का प्रकरण बनाया गया।

इस संबंध में चौकी प्रभारी ने बताया कि अस्पताल के पास बाइक पर ले जाते हुए एक पेटी देशी मदिरा जप्त की, लेकिन आरोपी ओमप्रकाश राठौड़ का एक पुत्र जो कि हेल्थ में मोटा है वह पुत्र दो पहिया वाहन को लेकर भाग गया। जिसके कारण बिना दो पहिया वाहन की जप्ती के सिर्फ शराब की पेटी का प्रकरण दर्ज किया।

12 से 5 बजे तक बिकेगी शराब

22 मार्च के आदेश के बाद 23 मार्च रात्रि में फिर एक आदेश जारी हुआ की शासकीय शराब दुकान दिन के 12 से 5 बजे तक खोली जाना है और नियमानुसार व ऐहतियाद के साथ एक-एक व्यक्ति दुकान के आगे दूरी बनाकर आए और पीने हेतु शराब बेची जाए। तो वहीं आमजन में असमंजस की स्थिति बनी हुई है कि एक तरफ तो पूरा शहर लॉक डाउन है तो वहीं शराब दुकानें खुली हुई है। जहां ग्रामीणों को खाद्य सामग्री लेने तक में कभी कभार पुलिस के डंडे तक खाने पड़ रहे है तो वहीं शराब दुकान खुली होने से लोगों में आक्रोश भी नजर आ रहा है। शासन को चाहिए कि इस विपरित परिस्थिति में शराब दुकानों को बंद करने के आदेश जारी करे और ग्रामीणों को आवश्यक खाद्य सामग्री व अन्य रोजमर्रा की वस्तुएं उनके घरों तक पहुंचाएं।

चौथे दिन लोग घर में रहे बंद, आवश्यक वस्तुओं की खरीदी में छूट

21 दिन का लॉक डाउन, झाबुआ जिला तैयार, प्रशासन मुस्तैद

सावधानी रखें, सतर्क रहें, प्रशासन का सहयोग करें, लोगों की मदद करें

माही की गूंज, झाबुआ।

कोराना के कहर के चलते सम्पूर्ण जिले में लॉक डाउन प्रभावी तरीके से लागू रहा। लोग पीएम मोदी की 21 के लॉक डाउन में सहयोग को लेकर तैयार दिखे। तो वहीं चौथे दिन झाबुआ नगर सहित अंचल में 23 मार्च की बजाय 24 मार्च मंगलवार को कुछ अधिक ही प्रभावी असर नजर आया। जिला कलेक्टर झाबुआ ने झाबुआ जिले में 25 मार्च तक के लॉक डाउन के आदेश का प्रशासन एवं पुलिस तथा स्थानीय नगर निकायों द्वारा प्रभावी तरीके से पालन करवाया जा रहा है। बुधवार को जहां सरकारी ऑफिसों की सभी गतिविधियां करीब करीब थमी नजर आई। वहीं नगर में दूध, दवाई की दुकानों, किराना दुकानों, डेयरी के अलावा सब्जी विक्रेताओं की दुकानें खुली जरूर, किन्तु बाजार में कम भीड़भाड़ हो, इस दृष्टि से प्रशासन द्वारा प्रातः 7 बजे से 10 बजे तक खुलने के बाद पुलिस प्रशासन की मदद से इन दुकानों को भी बंद करवाने का सिलसिला शुरू कर दिया। करीब 11 बजे तक नगर की सभी दुकानें बंद हो चुकी थी। कोराना वायरस को लेकर पूरे जिले में प्रशासन स्तर से बडी ही मुश्तैदी से काम किया जाता रहा। किन्तु इस अवधि में देखा गया कि कई लोग आज भी बिना माक्स लगाए ही दुकानों पर भीड़ लगाते नजर आए। नगरपालिका की गाडी से 10 बजते ही अनाउंस करके जो जो दुकानें खुली हुई थी, उन्हे बंद करवाने के ताकीद दी जाती रही। बुधवार को नगर में दोपहर में एक बार फिर से सन्नाटा नजर आने लगा। लोग भी अब कोराना वायरस की भयावहता को समझने लगे है तथा धारा 144 लागू होने के चलते सड़कों पर कम ही संख्या में दिखाई दिए।

किराना दुकानों पर लगा जमघट

मंगलवार रात में पीएम मोदी द्वारा 21 दिनों के लॉक आउट की घोषणा के तुरंत बाद जिले के सभी शहरों और गांवों की किराना दुकानों, आटा चक्कियों, नमकीन आदि दुकानों पर भारी भीड़ उमड़ पड़ी। स्थानीय प्रशासन द्वारा बार-बार लोगों को समझाइश दी गई कि आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित करवाई जाएगी। बेवजह दुकानों पर भारी भीड़ न करें। यदि आपके निकटस्थ स्थान पर कोई भी दुकान हो तो आप अपनी जरूरत की चीजों की लिस्ट वाट्स अप कर दें, दुकानदार आप तक उसे भिजवाने का प्रयास करेगा। फिर भी लोगों में 21 दिन के लॉक डाउन का भंयकर डर समाया था, जिसके चलते वह आवश्यक वस्तुओं की खरीदी के लिए सड़कों पर उतर गए। साथ ही जिला प्रशासन द्वारा प्रातः 8 बजे से 10 बजे तक किराना, दुध, सब्जी, की खरीदी के लिये दी गई छूट का असर यह हुआ कि नगर की किराना दुकानों पर एकदम भीड़ एकत्रित हो गई। दुकानदारों ने भी आधी शटर खोल कर लोगों को बारी बारी से सामान देते रहे। इन व्यापारियों का कहना था कि ट्रांसपोर्ट व्यवस्था पूरी तरह से लॉक डाउन होने के चलते बाहर से सामान नगर में नही आ पा रहा है। ऐसे में उपभोक्ता भी एक साथ अधिक से अधिक सामान घर में स्टॉक करने के उद्देश्य से दुकानों पर माल उठा रहे है। जबकि दुकानदार भी समय की नजाकात को समझते हुए उन्हें जितना जरूरी हो उतना ही सामान लेने की समझाइश भी देते जा रहे है। नगर की किराना दुकानों पर प्रातः 10 बजे तक इतनी अधिक भीड होने के चलते ग्राहकों को भी दुकानों से दूर दूर खडे रहने की समझाइश भी देते हुए नजर आए।

लोगों ने सब्जी मंडी पर महंगे दामों में भी आवश्यक सब्जियों की खरीदी की। फलों की बिक्री भी इस अवधि में आशा से अधिक हुई। फलों के दामों में भी डेढ से दो गुना इजाफा हो चुका है। दूध डेयरियों पर भी दूध के पैकेट लेने के लिये लोगों का जमघट दिखाई दिया।

दहशत के बीच सुकून देने वाली खबर मिली

कोरोना या कोविड-19 को लेकर चल रहे पेनिक याने दहशत के बीच मंगलवार देर रात को सुकून देने वाली खबर सामने आई। रामा ब्लॉक के 2 संदिग्धों को जांच में कोरोना नहीं, बल्कि मलेरिया पॉजेटिव पाया गया है और उनका मलेरिया का उपचार जारी है। अब उनकी की सेहत में काफी सुधार है। वही कालीदेवी से गिरफ्तार किए गए कैदी सिद्धार्थ जायसवाल को भी कोरोना संदिग्ध मानकर सेम्पल भेजा गया था, उसकी रिपोर्ट भी आ गई है। रिपोर्ट के अनुसार उसे कोरोना नहीं है। अब सिर्फ एक सेम्पल थांदला से जो भेजा गया है उसकी रिपोर्ट का इंतजार है। सूत्रों के मुताबिक उसे भी कोरोना नहीं है और उसकी रिपोर्ट भी नेगेटिव आने की संभावना स्वास्थ्य विभाग अनाधिकृत रूप से बता रहा है। कुल मिलाकर 2 सेम्पल ही भेजे गए थे, जिनमें से एक की रिपोर्ट नेगेटिव आई है और एक की रिपोर्ट कल शाम तक आने की उम्मीद है। थांदला से जिसका सेम्पल कोरोना टेस्ट के लिए भेज गया है, वो 5 मार्च को बांग्लादेश से ट्रक लेकर लौटा था, उसकी पत्नी को भी सर्दी जुकाम है, लेकिन डाक्टरों ने उसे सेम्पल भेजने योग्य नहीं पाया।

जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बंसतसिंह बारिया ने कोराना वायरस को लेकर स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए गए पुख्ता इन्तजाम की जानकारी देते हुए बताया कि झाबुआ में अभी तक कुल 20 यात्री बाहर से आये थे। ये लोग संक्रमित देशों चीन, थाईलेंड, यूक्रेन, बैंकांक, फिलीपींस, यूएसए, मलेशिया आदि देशों से यात्रा कर आये थे। इन 20 यात्रियों में से 11 लोगों का होम कोरोंटाइन अर्थात आईसोलेशन पूरा हो गया है और वे सभी स्वस्थ है। तथा इन्हें आगामी तीन-चार दिनों को लिए पूरी सावधानी एवं सतर्कता बरतने के लिये कहा गया है। शेष 9 में से 2 लोगों को आईसोलेशन में रखा गया था, जिसमें से 2 के सैंपल जांच के लिये भेजे गए थे। जिसमें 1 की रिपोर्ट नेगेटिव आई है तथा एक की रिपोर्ट आना शेष है। शेष 7 में 6 मरीजों को होम कोरोंटाइन में रखा गया है तथा 1 महिला जो दिल्ली में मक्का मदीना से आए यात्रियों की अगवानी के लिए गई थी तथा दिल्ली से ही अजमेर चली गई थी। उसकी सूचना स्वास्थ्य अधिकारियों को अजमेर देकर उसे भी अजमेर में होम कोरोंटाइन में रखा गया है तथा ये सभी स्वस्थ है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा इन सभी पर प्रभावी रूप से निगरानी की जारही है।

कलेक्टर एवं एसपी ने किया नगर भ्रमण

लॉक डाउन के तीसरे दिन जिला कलेक्टर प्रबल सिपाहा, पुलिस अधीक्षक विनीत जैन पूरे प्रशासन के अधिकारियों के साथ नगर में करबी 10 वाहनों के काफीले में लाक डाउन का जायजा लेते हुए नजर आए। इन अधिकारियों की वाहनों के आगे एक वाहन जिसमे एडिशनल एसपी विजय डावर बैठे थे, सतत अनाउंस करके लोगों को घरों में रहने तथा सड़कों पर भीड़ एकत्रित नहीं करने की हिदायत देते हुए नजर आए।

झाबुआ जिले में मास्क के नाम पर अवैध लूट

कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए जिला कलेक्टर प्रबल सिपाहा ने अपने जिलेवासियों से सजग और सतर्क रहने के साथ घरों में रहने की अपील की। सभी सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं से सहयोग हेतु अपील की। इसी कड़ी में जिला केमिस्ट एसोसिएशन के कुछ सदस्य ने प्रशासन को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया और फोटो सेशन हेतु कुछ मास्क कलेक्टर कार्यालय में फ्री में भी बांटे और यह बताने का प्रयास किया कि हम समाजसेवी हैं। लेकिन जब धरातल पर स्थिति पर गौर किया कई जनों ने बताया कि नगर के कुछ प्रमुख मेडिकल स्टोर पर यह मास्क किसी को रुपये 20 में तो किसी को रुपये 30 में तो किसी को रुपये 40 में यह व्यवसायी खुलेआम बेच रहे हैं। जब अधिक दाम लेने की बात आती है, तो यह व्यापारी मास्क देने से इंकार कर देते हैं या फिर शॉर्टेज का बहाना बताकर अधिक दाम ले रहे हैं। शासन प्रशासन को इस ओर ध्यान देकर मास्क के नाम पर जो शहर में लूट की जा रही है। उसे रोकना चाहिए और मूल कीमत में इसे बेचने हेतु व्यवसायियों को प्रेरित करना चाहिए या फिर इस विकराल स्थिति में कानूनी कार्रवाई भी करना चाहिए।

घर में रहकर वायरस की चैन तोड़ना है

कोरोना वायरस वैश्विक रोग बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आव्हान पर जनता कर्फ्यू में देशवासियों ने एकजुटता काजो परिचय दिया, उसी तरह आगामी 21 दिनों में भी हमें घर पर रहकर इस वायरस की चौन को तोड़ना है। निश्चित ही हम कोरोना वायरस से पूरे देश को मुक्त करेंगे। प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है कि वह इस रोग को भगाने में घरों से बाहर ना निकले तथा शासन-प्रशासन के हर निर्देश एवं अपील का पालन करें।

गुमानसिंह डामोर, सांसद

बहुत जरूरी हो, तो ही घर से निकले

सभी नागरिकों को सुरक्षित रहने के लिये सतर्कता बरतना जरूरी है। अपने मुंह पर कपड़ा या मास्क बांधकर रखें तथा घर से बाहर जरूरी काम हो तो ही जाए। इसका ईलाज घर में रहने से ही है। हर व्यक्ति को अपनी सेफ्टी रखना जरूरी है। जिले से बड़ी संख्या में गुजरात काम की तलाश में गए लोग वापस आ रहे है। उनसे कम संपर्क रखे। इसे लेकर एक डर सा बना दिया गया है। इसलिये प्रत्येक को सावधानी बरतना जरूरी है।

कांतिलाल भूरिया, विधायक, झाबुआ

घर में रहकर जिम्मेदारी निभाएं

यह वैश्विक बीमारी के रूप में फैल चुका है। हर व्यक्ति एवं नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह घर में ही रहकर इस अभियान को सफ्ल बनाए।

वीरसिंह भूरिया, विधायक, थांदला

शासन का सहयोग करें

इस वायरस को खत्म करने के लिये अपने-अपने आराध्य से प्रार्थना करें। शासन ने जो कदम उठाया है। उसको सफल बनाने में हम सभी को सहयोग करना चाहिए तथा घरों में रहकर इस रोग को भगाने की लड़ाई जीतना है। किसी भी व्यक्ति को खांसी, सर्दी जुखाम हो, तो तत्काल अस्पताल में जाकर उपचार कराएं।

वालसिंह मेडा, विधायक, पेटलावद।

बिना कारण सार्वजनिक जगहों पर जाने से बचें

कलेक्टर सिपाहा ने आम जनता से अपील की, एटीएम पर भी रखे जाएंगे सेनिटाइजर

माही की गूंज, झाबुआ।

कलेक्टर ने आम जनता की सुरक्षा, स्वास्थ्य और कोरोना संक्रमण वायरस से बचाव को देखते हुए झाबुआ के नागरिकों से अपील की है कि बिना कारण सार्वजनिक जगहों पर जाने से बचें। जहां तक संभव हो घर में रहकर ही अपने काम निपटाए। उन्होंने अपील की है कि अत्यावश्यक होने पर ही सार्वजनिक जगहों पर जाएं। यदि परिवार में सर्दी, खांसी, बुखार का मरीज पाया जाता है तो उसको तुरंत डॉक्टर को दिखाएं और उसको आइसोलेशन में रखें। परिवार में बुजुर्गों और बच्चों का विशेष ध्यान रखें उनके लिए विशेष सावधानी रखें, सार्वजनिक जगहों पर ले जाने से बचें। जहां तक संभव हो घर पर ही रह कर सारे काम निपटाएं, सार्वजनिक यातायात के साधनों का कम से कम उपयोग करें। घर में आने के पहले हाथ धोएं इसके साथ ही किसी ऑफिस में पहुंचने के पूर्व ही हाथ को सेनिटाइज अवश्य करें। कलेक्टर ने कहा कि जिले के सभी एटीएम को भी चार से पांच बार सेनेटाइज किया जाए। कोई भी उपभोक्ता एटीएम सेंटर में आने के बाद सेनेटाइजर का उपयोग करने के बाद ही एटीएम मशीन का उपयोग कर पाए, यह अनिवार्यतः सुनिश्चित किया जाए।

जिले में लागू धारा 144 का पालन करें

जिले में धारा 144 लागू है। अतः 4 से ज्यादा का समूह बनाकर ना घूमे और ना ही कहीं अनावश्यक बैठे। प्रत्येक व्यक्ति से एक मीटर की दूरी बनाकर रखे। हर 1 घंटे में साबुन से हाथ धोए। जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के निर्देशों एवं नियमों का पालन करें।

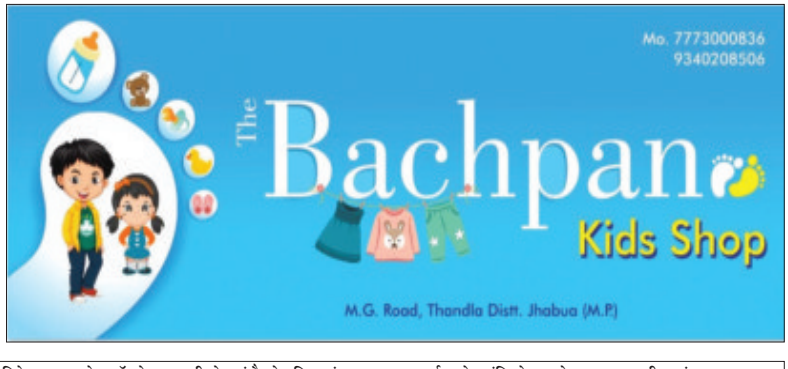

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422